जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 74 प्रभात जालोर, शनिवार 21 जून, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी, अब देश का प्रधानमंत्री बनने को तैयार ही नहीं, तत्पर हैं

पहली बार वे अपने जन्म दिन, 19 जून को आयोजित ''फंक्शन'' में भाग लेने, 18 जून की रात को भारत लौट आए

- आज से पहले राहुल का जन्म दिवस, एक प्राइवेट मामला होता था तथा 19 जून को प्रायः विदेश में रहते थे, शायद आम कार्यकर्ता से मिलने से कतराने के कारण।
- पर, अब यह हिचकिचाहट खत्म हो गई है तथा पार्टी के कार्यकर्ताओं को सूचित कर दिया गया था कि दोपहर में दो बजे राहुल एआईसीसी में आयेंगे, जन्म दिन पर उनके अभिवादन स्वीकार करने।
- पहली बार राहुल के जन्म दिवस पर दिल्ली के प्रमुख अखबारों में पूरे पृष्ठ के विज्ञापन छपे, राहुल गांधी को जन्म दिन की बधाई देते हुए।
- राहुल गांधी में यह परिवर्तन तब से आया है, जब से वे संसद में ''लीडर ऑफ ऑपोज़िशन'' (विपक्ष के नेता) बने हैं तथा इस पद से जुड़ी गरिमा, प्रतिष्ठा व अधिकार से काफी प्रभावित हुए हैं तथा जिस प्रकार का रोब, रूतबा व महत्व मोदी को मिला, प्र.मंत्री के रूप में, वे मानते हैं, उन्हें भी मिलना चाहिए।
- वे यह भी मान रहे हैं कि उनका ''कास्ट कार्ड'' उन्हें प्र.मंत्री पद तक पहुँचायेगा और उनकी प्र.मंत्री की कुर्सी तक की पद यात्रा अब आसान भी हो गई है, क्योंकि मोदी कमज़ोर पड़े हैं, भाजपा व संघ के मतभेदों के कारण तथा नीतीश कुमार की बीमारी व शारीरिक कमज़ोरी के कारण, वे बिहार में जरूर जीतेंगे। साथ ही अमेरिका व ट्रंप अब मोदी का उतना समर्थन नहीं कर रहे, जो पहले करते थे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जून। राहुल गांधी अब वह अनिच्छुक राजनीतिज्ञ नहीं रहे, जैसा उन्हें वर्षों तक बताया जाता रहा है।

कांग्रेस के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि अब वह स्वयं को देश के सर्वोच्च पद के लिए तैयार मानते हैं। इससे भी अधिक, अब वह भारत के प्रधानमंत्री बनने के लिए उत्सुक और इच्छुक हैं।

यह परिवर्तन विपक्ष के नेता बनने के बाद आया जब उन्होंने इस पद के साथ आने वाली सत्ता और प्रभाव का अनुभव किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चारों ओर व्याप्त सत्ता की ताकत, पद और प्रतिष्ठा ने भी उन्हें बहुत प्रभावित किया है।

राहुल गांधी का जन्मदिन पार्टी के कई लोगों के लिए आंखें खोलने वाला रहा और अब कांग्रेस के भीतर यह चर्चा ज़ोर पकड़ रही है कि राहुल अब प्रधानमंत्री पद की ज़िम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।

राहुल गांधी के लिए उनका जन्मदिन हमेशा एक निजी मामला रहा है। वह अक्सर 19 जून को देश से बाहर रहते थे, न ही कांग्रेसजनों से मिलते थे और न ही शुभकामनाएं देने आने वाली भीड़ से।

इस बार सब कुछ बिल्कुल अलग था, जिसने सभी का ध्यान खींचा।

अपने जन्मदिन की पूर्व संध्या पर वह दिल्ली लौटे।

यह वापसी उनकी मां सोनिया गांधी की तबीयत के कारण नहीं थी, क्योंकि उन्हें उसी सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी और राहुल उन्हें घर लाने गए थे।

अप्रत्याशित रूप से वह 24 अकबर रोड स्थित एआईसीसी कार्यालय पहुंचे। उनके आने से पहले संदेश दिया गया था कि वह दोपहर 2 बजे वहां आएंगे। उन्होंने वहां मौजूद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विशाखापट्टनम में योग करेंगे प्र.मंत्री

नयी दिल्ली, 20 जून। देश और दुनिया भर में कल 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जायेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सामूहिक योग कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे तीन लाख से अधिक लोगों के साथ योगासन करेंगे।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग संगम कार्यक्रम में प्रधानमंत्री तीन लाख लोगों के साथ योग करेंगे। देश भर में दस लाख से अधिक स्थानों पर योग संगम से तालमेल कर योगाभ्यास किया जाएगा।

जाधव और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी शामिल होंगे।

विशाखापत्तनम में आयोजित इस कार्यक्रम में 'योग संगम' पहल के तहत देश भर में 10 लाख से अधिक स्थानों के साथ एक साथ योग किया जाएगा।

यह कार्यक्रम सुबह साढे छह बजे शुरू होगा और पौने आठ बजे संपन्न होगा। इसमें देश भर से अभूतपूर्व भागीदारी की उम्मीद है। देश में विभिन्न जगहों पर आयोजत सत्रों में दो करोड़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईडी ने वरिष्ठ अधिवक्ता वेणुगोपाल को भेजे गए सम्मन को रद्द किया

सम्मन भेजने का कारण था, वेणुगोपाल द्वारा अपने ''क्लाइंट'' को दी गई कानूनी सलाह

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जून। नवीनतम घटनाक्रम के तहत एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) प्रवर्तन निदेशालय ने वरिष्ठ अधिवक्ता प्रताप वेणुगोपाल को दिया गया समन को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। यह समन उनके द्वारा एक क्लाइंट को दी गई कानूनी सलाह के संबंध में जारी किया गया था।

गौरतलब है कि, 18 जून को ईडी ने वेणुगोपाल को समन जारी किया था, जो एम/एस केयर हेल्थ इंश्योरेंस को एम्प्लॉयी स्टॉक ओनरशिप प्लान (ईएसओपी) के संबंध में दी गई कानूनी सलाह के विषय में था। यह ईएसओपी पूर्व रिलिगेयर एंटरप्राइजेज की अध्यक्ष डॉ. रश्मि सलूजा को जारी किया गया था। इससे पहले, इसी तरह के समन वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को भी जारी किए गए थे, जिन्हें बाद में वापस ले लिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन ने भारत के मुख्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसी प्रकार के सम्मन वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को भी भेजे गये थे, पर, फिर ईडी को उस सम्मन को भी वापस लेना पड़ा था।
- सुप्रीम कोर्ट की ''एडवोकेट्स-ऑन रिकॉर्ड'' की एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा, जिसमें ईडी द्वारा वरिष्ठ व प्रतिष्ठित अधिवक्ता वेणुगोपाल को भेजे गये सम्मन की निंदा की। पत्र में यह लिखा था कि ईडी द्वारा सम्मन भेजने की कार्यवाही का ''व्यापक'' दुष्प्रभाव पड़ेगा, कानूनी कार्यवाही की निर्भयता से अपनी कानूनी राय देने के अधिकार पर'' तथा ''क्लाइंट व वकील'' के विश्वास के रिश्ते की नींव हिल जायेगी।
- ईडी के सहायक निदेशक (मुम्बई) ने तुरंत प्रभाव से सम्मन को वापस लिया।
- एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड की एसोसिएशन ने पत्र में यह भी मांग की थी कि सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट ''गाइडलाइन'' बनाये, जिससे ऐसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं की, उनके अपने ''क्लाइंट'' को दी गई सलाह को आधार बनाकर वकीलों को सम्मन भेजने की प्रक्रिया की पुनरावृत्ति न हो।

'आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा हटाने के लिए संविधान संशोधन लाया जाए'

कांग्रेस ने कहा कि आगामी मानसून सत्र में वह जोर-शोर से यह मांग उठाएगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जून। कांग्रेस ने शुक्रवार को बिहार आरक्षण कानून को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने, आरक्षण पर लगी 50 प्रतिशत की सीमा हटाने के लिए संविधान में संशोधन करने और अनुच्छेद 15(5) को लागू करने की अपनी मांग दोहराई, जो निजी शैक्षिणक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी को आरक्षण प्रदान करता है।

पार्टी के महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि निश्चित रूप से पार्टी इन तीन महत्वपूर्ण मुद्दों को आगामी मानसून सत्र में संसद में उठाएगी, जो सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

जयराम रमेश ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री शुक्रवार को बिहार गए। बिहार में हैं। पूर्व की इंडिया गठबंधन सरकार द्वारा कराए गए जाति सर्वेक्षण के आधार पर, बिहार सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण प्रस्तावित किया था। यह प्रस्ताव वर्तमान में न्यायालयों विचाराधीन है।

उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन सरकार लगभग हार मान चुकी है।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन कांग्रेस लंबे समय से जो तीन माँगे कर रही है, वे 65 प्रतिशत आरक्षण को हकीकत बना सकती हैं।

जयराम रमेश ने बिहार आरक्षण कानून को संविधान की नवीं अनुसूची

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता, जयराम रमेश ने यह भी बताया कि बिहार की इंडिया ब्लॉक सरकार ने कास्ट सर्वे के बाद जो विधेयक पारित किए थे और जिन्हें अदालत में चुनौती दी गई है, उन्हें संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी पुरजोर तरीके से उठाई जाएगी।
- कांग्रेस अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को प्राइवेट सैक्टर में आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन के क्रियान्वयन की मांग भी उठाएगी। डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में लाया गया यह संविधान संशोधन 11 साल से ठंडे बस्ते में है।

एक्सिओम मिशन -4 फिर से स्थगित

चेन्नई, 20 जून। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा पर ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन को फिर से स्थगित कर दिया गया है। यह मिशन 22 जून को निर्धारित था।

एक्सिओम स्पेस ने शुक्रवार को

- भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभाशु को अंतरिक्ष स्टेशन ले जाने वाला यह मिशन 22 जून को निर्धारित था

एक नवीनतम अपडेट में कहा कि नई लॉन्च तिथि की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। मिशन शुरू में 29 मई के लिए निर्धारित किया गया था। मिशन को मौसम, एलओएक्स रिसाव और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से इसे कई बार स्थगित किया है। इस मिशन में आईएसएस में अंतरिक्ष यात्रियों को 14 दिनों तक रहना है और इस अवधि में वे वहां पर 60 अनुसंधान करेंगे। इनमें से सात माइक्रोग्रेविटी अनुसंधान इसरो के हैं। भारत, अमेरिका, हंगरी और पोलैंड की चार अंतरिक्षयात्रियों की टीम अंतरिक्ष यात्रा पर जाने के लिए तैयार है।

इज़रायल खुशी मना रहा है, ईरान की हवाई युद्ध लड़ने की ताकत पर पूरी तरह छा कर

पर, विश्व इस प्रमुख ऑयल इण्डस्ट्री पर कुप्रभाव की कल्पना करके कांप रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जून। पिछले दो हफ्तों में अपने व्यापक हवाई अभियान के जरिए, इज़रायल ने वह हासिल कर लिया है जिसे कई लोग असंभव मानते थे: ईरान का 90 प्रतिशत लाँगरेंज एयर डिफैंस सिस्टम निष्क्रिय कर दिया है और लगभग आधी मिसाइल लॉन्चिंग क्षमता को बेअसर कर दिया गया है। लेकिन जहाँ तेल अवीव इस सैन्य सफलता का जश्न मना रहा है, वहीं दुनिया एक और खतरे के लिए तैयार हो रही है, एक अस्थिर मिडिल ईस्ट और आसमान छूती तेल की कीमतें, जो वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को झटका दे सकती हैं।

इज़रायली हवाई हमलों की पहली लहर के साथ ही तेल बाज़ारों में तुरंत प्रतिक्रिया देखी गई। ब्रैंट क्रूड की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुँच गई। यह उछाल सिर्फ ईरानी तेल निर्यात में रुकावट के कारण नहीं है, जो पहले से ही प्रतिबंधों के तहत है, बल्कि यह भविष्य को लेकर गहराते भय का संकेत है। ईरान ने होरमुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होरमुज़) को बंद करने की धमकी दी है, जो एक संकीर्ण समुद्री मार्ग है और जहाँ से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुज़रता है। हालाँकि, यह मार्ग अभी खुला है, लेकिन टैंकर यातायात काफी धीमा हो गया है, और कुछ मामलों में जहाज़ों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के जरिए लंबा और महँगा रास्ता लेना पड़ा है।

इस चिंता को खाड़ी क्षेत्र से होकर गुज़रने वाले जहाज़ों के लिए बीमा प्रीमियम में अचानक हुई वृद्धि ने और बढ़ा दिया है।कई प्रमुख शिपिंग कंपनियों ने इस क्षेत्र में परिचालन रोक दिया है, और तेल कंपनियाँ डिलीवरी में देरी की सूचना दे रही हैं। इसके जवाब में, अमेरिका, भारत और चीन अपने रणनीतिक तेल भंडार से तेल जारी करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि, स्थिति को कुछ समय के लिए संभाला जा सके। लेकिन ये उपाय केवल अस्थायी राहत दे सकते हैं। अगर सैन्य संघर्ष और तेज़ हुआ, या फिर, ईरान समर्थित लड़ाकों ने सऊदी अरब या यूएई के तेल ढांचों पर हमला किया तो दुनिया एक गंभीर आपूर्ति संकट का सामना कर सकती है।

रणनीतिक परिणाम भी उतने ही चिंताजनक है। इज़रायल ने ईरान का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कई ऑयल कम्पनियों ने अपने टैंकर्स में ''स्ट्रेट ऑफ होरमुज़'' में जाने से रोक दिए हैं तथा ऑयल के दाम कुछ दिनों में ही 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल हो गये हैं।
- इसके अलावा इंश्योरैंस कम्पनियों ने इन टैंकर्स को इन्श्योर करने की कीमत में भी भारी वृद्धि कर दी है।
- साथ ही, यमन हाउथीस, लेबनान के हिजबुल्लाह जैसे समुद्री लुटेरों व आतंकवादियों ने ईरान के कमज़ोर पड़ जाने के बाद अपनी गतिविधियाँ बढ़ा दी हैं।
- सभी आशंकित हैं, यह अनिश्चितता क्या कहर ढायेगी। इसका अंदाज़ा लगाना ही कठिन है।

विमान हादसाः 223 मृतकों के डीएनए सैंपल मैच हुए

अहमदाबाद, 20 जून। गुजरात के अहमदाबाद में हाल में हुए विमान हादसे में मारे गए 223 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान हो गया है तथा अब तक 204 मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं।

- अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक राकेश जोशी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 204 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने शुक्रवार को कहा कि 220 रिश्तेदारों से संपर्क किया गया है। सिविल अस्पताल में उपचाराधीन दो व्यक्तियों के शव भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या वियतनाम, अफगानिस्तान, क्यूबा और ईरान के असफल प्रयासों से कुछ नहीं सीखा अमेरिका ने?

हर बार अमेरिका असफल हुआ तथा ''अग्ली अमेरिकन'' की छवि पाई, जो अब तक पूरी तरह नहीं बदल पाई है

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 20 जून। अमेरिका ने वियतनाम, अफगानिस्तान और उससे भी पहले ईरान में मिली नाकामियों से कोई सबक सीखा है या नहीं- यह चीज राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के इस कदम से तय होगी कि वे अपने सहयोगी इज़राइल और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष में अमेरिका को झोंकने का फैसला करते हैं या नहीं।

जब यह रिपोर्ट लिखी जा रही थी, तब तक ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया था कि अमेरिका आधिकारिक रूप से इज़राइल के युद्ध में शामिल होगा या नहीं। लेकिन इतिहास गवाह है कि वियतनाम, अफगानिस्तान, क्यूबा और यहां तक कि ईरान में भी अमेरिका की दखलअंदाजी ने उलटा असर डाला और अमेरिका की छवि ''अहंकारी अमेरिकी'' (अगली अमेरिकन) के रूप में उभरी। फिलहाल वॉशिंगटन युद्ध की तैयारियों को अंतिम रूप देता दिखाई दे रहा है - यह कोई दिखावे की चाल है या असली योजना, इसका पता जल्द ही चल जाएगा। पिछली बार जब अमेरिका ने तेहरान में तख्ता पलट किया था, तो उसका अंजाम अच्छा नहीं रहा था।

ईरान और पश्चिम के बीच तनाव का इतिहास एक निर्णायक घटना से जुड़ा है, सन् 1953 में ईरान में अमेरिकी सीआईए और ब्रिटिश एमआई6 द्वारा समर्थित तख्तापलट हुआ था, जिसमें ईरान के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देग को हटा कर, शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी को सत्ता में वापस लाया गया था और राजशाही की बहाली की गई थी। अजीब विरोधाभास था, दो लोकतांत्रिक सरकारों-अमेरिका और ब्रिटेन-ने एक निर्वाचित सरकार को गिरा कर राजतंत्र बहाल किया- और उसे अपनी जनता के सामने विजय के रूप में प्रस्तुत किया।

ईरान की रणनीतिक स्थिति और विशाल तेल भंडार इसे वैश्विक शक्तियों, विशेष रूप से अमेरिका और ब्रिटेन, के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना देता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, ब्रिटेन ने ईरान में अपनी एक मजबूत उपस्थिति बनाई, ताकि वह सोवियत संघ (जो उस समय उसका सहयोगी था) तक तेल की आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित कर सके और हिटलर के द्वारा शासित जर्मनी को क्षेत्र के तेल संसाधनों से दूर रखा जा सके।

युद्ध के बाद भी ब्रिटिश प्रभाव बना रहा, खासकर - ऐंग्लो-ईरानियन ऑयल कंपनी जो अब ब्रिटिश पेट्रोलियम का हिस्सा है) के माध्यम से। यह व्यवस्था 1951 में उस समय टूटी, जब मोसद्देग के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी और लोकतांत्रिक सरकार ने ईरान की संसद के जरिए तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया।

यह निर्णय ईरान के संसाधनों की पुनः प्राप्ति के रूप में तो देखा गया,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका के सी.आई.ए. व ब्रिटेन की इंटैलिज़ैंस एजेंसी एम.आई.सिक्स ने इन प्रयासों की शुरुआत 1953 में ही कर दी थी। प्रजातंत्रीय तरीके से चुनी गई प्र.मंत्री मोहम्मद मोसद्देग की सरकार को अपदस्थ करके, शाहे मोहम्मद रिज़ा पहलवी को पुनः गद्दी पर स्थापित करके।
- चुनी गई सरकार को अपदस्थ करने का प्रमुख कारण था, ईरान की जमीन के नीचे ऑयल का अपार भंडार।
- यह ही कारण था, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के हाथों में ''ऑयल भंडार'' न पहुँचे, इसे रोकने के लिए अमेरिका व ब्रिटेन ने सोवियत यूनियन के लिए एक ''सप्लाई कोरिडोर'' बनाया था।
- पर, 1951 में मोसद्देग की निर्वाचित सरकार ने संसद में विधेयक पास कर, ईरान की ऑयल इण्डस्ट्री का नैशलनाइज़ेशन कर, अमेरिका व ब्रिटेन की योजना को फेल कर दिया था।

पासपोर्ट आवेदन के लिए पति के हस्ताक्षर की जरुरत नहीं

चेन्नई, 20 जून। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला को पासपोर्ट के लिए आवेदन करने से पहले अपने पति की अनुमति लेने या उसके हस्ताक्षर करवाने की जरूरत नहीं है। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश ने यह फैसला हाल ही में रेवती नाम की महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। रेवती ने अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की थी कि वे उनके पति के हस्ताक्षर की अनिवार्यता के बिना ही एक नया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मद्रास हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता रेवती की याचिका पर यह फैसला दिया और पासपोर्ट कार्यालय को पासपोर्ट जारी करने का आदेश दिया।

विचार बिन्दु

सफलता का केवल एक ही रहस्य है, साधारण चीजों को असाधारण तरीके से करना। –जॉन डी. रॉकफेलर

राजस्थान: आर.जी.एच.एस. पेंशनरों को परेशानी, सरकार की उदासीनता

RGHS राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों, विधायकों, पूर्व विधायकों और अन्य पात्र लाभार्थियों को नकद रहित चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है। सितंबर 2021 में शुरू हुई यह योजना सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (CGHS) की तर्ज पर तैयार की गई थी। इसका लक्ष्य लगभग 13 लाख सरकारी कर्मचारियों कके परिवारों को, जिसमें 8 लाख सरकारी कर्मचारी और 3.28 लाख पेंशनर शामिल हैं, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना रहा है। योजना के तहत नकद रहित उपचार, प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का वार्षिक कवरेज (गंभीर बीमारियों के लिए अतिरिक्त 5 लाख रुपये), आउटडोर मरीजों (OPD) के लिए 20,000 रुपये की सीमा, और इनडोर मरीजों (IPD) के लिए कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। लेकिन इसके बावजूद, पेंशनरों को इस योजना के तहत कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो इसकी उपयोगिता को कम कर रहा है। पेंशनरों की समस्याओं की लगातार अनदेखी सरकारी उदासीनता, घोटालों पर घोटालों ने इसकी विश्वसनीय को हिलाकर रख दिया है। सरकार को समस्त। जानकारी है लेकिन कोई इस पर प्रामाणिक चर्चा के लिए तैयार नहीं है । होना यह चाहिए कि योजना के परिमार्जन हेतु अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल करते हुए इसे विश्वसनीय बनाया जाए। पेंशनर्स इस समाज में सरकार के अघोषित और अवैतनिक एम्बेसडर हैं सरकार की प्राथमिकता में इन्हें सर्वोच्च स्थान मिलना चाहिए।

पेंशनरों की समस्याएँ उप्ए के कार्यान्वयन में कई खामियों को सिद्दत से उजागर कर रही हैं। पहली और सबसे बड़ी समस्या दवाइयों की अनुपलब्धता है। पैनल में शामिल फार्मेसी स्टोर्स पर जीवन रक्षक और नियमित दवाएँ अक्सर उपलब्ध नहीं होतीं हैं। उदाहरण के लिए, बारां और कोटा जैसे जिलों में पेंशनरों ने बताया कि फार्मेसी स्टोर्स ने RGHS के तहत दवाएँ देना बंद कर दिया, क्योंकि सरकार ने उनके बकाया भुगतानों में महीनों की देरी की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, RGHS के तहत फार्मेसी स्टोर्स के 500 करोड़ रुपये से अधिक के बिल लंबित पड़े हैं। इससे पेंशनरों को निजी तौर पर दवाएँ खरीदनी पड़ रही हैं, जो उनकी सीमित पेंशन आय पर भारी बोझ डाल रहा है। कई बुजुर्ग पेंशनरों ने अपनी बचत खर्च करने या गहने बेचने की शिकायत की है, खासकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए। दूसरी प्रमुख समस्या नकद रहित सुविधा का वास्तविकता में लागू न होना है। RGHS का दावा है कि यह योजना लाभार्थियों को सरकारी और पैनल में शामिल निजी अस्पतालों में नकद रहित उपचार प्रदान करती है। जबकि पेंशनरों को शिकायत की है कि अनेक अस्पताल कैशलेस सुविधा प्रदान नहीं करते और उन्हें इलाज के लिए पहले नकद भुगतान करना पड़ता है। इसके बाद प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया इतनी जटिल और समय लेने वाली है कि कई बुजुर्ग इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाते।

जयपुर के एक 75 वर्षीय पेंशनर ने बताया कि उनके हृदय शल्य चिकित्सा के लिए 3 लाख रुपये का बिल निजी तौर पर चुकाना पड़ा, और प्रतिपूर्ति के लिए दावा जमा करने के बावजूद भुगतान नहीं मिला। यह प्रक्रिया विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के पेंशनरों के लिए और भी कठिन है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म और कागजी कार्रवाइयों से परिचित नहीं हैं उनकी हालत बहुत खराब है। वृद्धावस्था में दंत समस्या सबसे अधिक गम्भीर होती है लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि दंत चिकित्सा और इससे जुडी अन्य सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं को RGHS के दायरे से बाहर रख छोड़ा है। पेंशनरों, विशेष रूप से वृद्धों, को दंत समस्याओं जैसे रूट कैनाल, डेन्चर, या दाँतों की सफाई के लिए निजी क्लीनिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। सरकार ने दंत चिकित्सा पर नाम मात्र की आपूर्ति का प्रावधान कर छोड़ा है। आज अगर एक वृद्ध व्यक्ति को यदि अपने दांतों का पूरा ढांचा लगवाना पड़े तो दो से तीन लाख रुपए खर्च करने होंगे सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। इसके अलावा, कुछ विशेष जांचें जैसे एमआरआई, सीटी स्कैन, या कैंसर स्क्रीनिंग भी कई अस्पतालों में RGHS के तहत कवर नहीं होतीं। इससे पेंशनरों को अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ता है।

उदाहरण के लिए, एक पेंशनर ने बताया कि उनकी कैंसर स्क्रीनिंग की लागत RGHS में शामिल नहीं थी, जिसके लिए उन्हें 50,000 रुपये निजी तौर पर खर्च करने पड़े। इसी तरह पैनल में शामिल अस्पतालों की अपर्याप्त सुविधाएँ और अनावश्यक जांचें हैं। कई निजी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं जैसे पर्याप्त बेड, विशेषज्ञ डॉक्टर, या उन्नत उपकरणों की कमी है। इसके विपरीत, कुछ अस्पताल अनावश्यक जांचें और लंबे समय तक भर्ती करके RGHS फंड का दुरुपयोग करते हैं। जयपुर के एक निजी अस्पताल में एक पेंशनर को सामान्य बुखार के लिए 10 दिन तक भर्ती रखा गया और 28 जांचें की गईं, जो चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक थीं। यह न केवल पेंशनरों के लिए परेशानी का कारण बनता है, बल्कि योजना के संसाधनों का दुरुपयोग भी करता है। सरकारी अस्पतालों में भी स्थिति बेहतर नहीं है, जहाँ बेड की कमी, लंबी प्रतीक्षा अवधि, और विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपस्थिति आम समस्याएँ हैं। पेंशनर्स के प्रतिपूर्ति प्रक्रिया में देरी और अस्वीकृति है जो उनके लिए बड़ी परेशानी का कारण है। जब पेंशनरों को नकद भुगतान करना पड़ता है, तो वे ऑनलाइन RGHS पोर्टल के माध्यम से दावा जमा करते हैं। जिसमें अनेक मामलों में दावे तकनीकी कारणों जैसे अपूर्ण दस्तावेज या अस्पष्ट नियमों के कारण अस्वीकार कर दिए जाते हैं। 2024 में एक सर्वेक्षण में पाया गया कि RGHS के तहत 30% से अधिक दावे 3-6 महीने से अधिक समय तक लंबित रहते हैं। यह देरी पेंशनरों के लिए वित्तीय तनाव का कारण बनती है, खासकर उन लोगों के लिए जो पहले ही इलाज पर अपनी बचत खर्च कर चुके हैं। सरकारी उदासीनता ने इन समस्याओं को और गंभीर किया है। सबसे पहले, बकाया भुगतानों में देरी ने फार्मेसी स्टोर्स और अस्पतालों को उप्ए के तहत सेवाएँ देने से हतोत्साहित किया है। 2024 तक, अनुमानित 500 करोड़ रुपये के बिल लंबित थे, जिसके कारण कई अस्पतालों ने कैशलेस सुविधा बंद कर दी। दूसरा, निगरानी तंत्र की कमी ने घोटालों को बढ़ावा दिया है। उदाहरण के लिए, राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड में 343 करोड़ रुपये का टेंडर घोटाला सामने आया, जिसमें फर्जी बिलिंग और अधिकारियों की मिलीभगत शामिल थी। तीसरा, पेंशनरों के बीच जागरूकता की कमी एक बड़ी समस्या है। कई पेंशनरों को RGHS के नियमों, पात्रता, और प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं है। सरकार ने इसके लिए जागरूकता अभियानों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया। चौथा, RGHS का प्रशासनिक ढांचा बार-बार बदल रहा है, जैसे कि हाल ही में वित्त विभाग से चिकित्सा विभाग को योजना हस्तांतरण की है, जिसने भ्रम और अक्षमता को बढ़ाया है। RGHS में घोटाले इस योजना की विश्वसनीयता को और कम कर रहे हैं। फर्जी बिलिंग एक प्रमुख समस्या है, जिसमें अस्पताल अनावश्यक जांचें और भर्ती करके RGHS फंड का दुरुपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए एक जांच में पाया गया कि जयपुर और उदयपुर के कुछ अस्पतालों ने सामान्य बीमारियों के लिए 5-10 लाख रुपये के बिल बनाए, जो चिकित्सकीय रूप से अनुचित थे। इसके अलावा, 2000 करोड़ रुपये के फर्जी बिलों का मामला सामने आया, जिसमें दवाइयों और उपकरणों के लिए फर्जी टेंडर शामिल थे। इन घोटालों में अधिकारियों, डॉक्टरों, और निजी कंपनियों की मिलीभगत की बात सामने आई है। नकली दवाएँ और फार्मेसी स्टोर्स पर जीवन रक्षक दवाओं की अनुपलब्धता ने भी पेंशनरों का विश्वास तोड़ा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं। पहला, प्रशासनिक सुधार जरूरी हैं। एक स्वतंत्र निगरानी समिति का गठन किया जाए, जिसमें चिकित्सा विशेषज्ञ, पेंशनर प्रतिनिधि, और ऑडिटर शामिल हों। यह समिति नियमित रूप से अस्पतालों और फार्मेसी स्टोर्स की जाँच करे। अस्पतालों और स्टोर्स को समय पर भुगतान के लिए एक ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम लागू किया जाए। दूसरा, पेंशनरों की सुविधा के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, जिसमें हिंदी में सरल जानकारी उपलब्ध कराई जाए। प्रत्येक जिले में RGHS शिकायत निवारण केंद्र स्थापित किए जाएँ, और मौजूदा हेल्पलाइन (181) को और प्रभावी बनाया जाए। दंत चिकित्सा और विशेष जांचों को RGHS के दायरे में शामिल किया जाए। तीसरा, घोटालों की रोकथाम के लिए ऑनलाइन ऑडिट सिस्टम लागू किया जाए, जिसमें AI और मशीन लर्निंग का उपयोग हो। फर्जी बिलिंग में शामिल अस्पतालों को पैनल से हटाया जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। चौथा, RGHS पोर्टल और मोबाइल ऐप को बुजुर्गों के लिए सरल बनाया जाए, जिसमें हिंदी भाषा और वॉयस कमांड का विकल्प हो। एक डिजिटल ई-वॉलेट सिस्टम शुरू किया जाए, जिसमें पेंशनरों के चिकित्सा रिकॉर्ड और शेष राशि की जानकारी हो। इसी प्रकार अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाएँ RGHS को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं।

जयपुर के एक 75 वर्षीय पेंशनर ने बताया कि उनके हृदय शल्य चिकित्सा के लिए 3 लाख रुपये का बिल निजी तौर पर चुकाना पड़ा, और प्रतिपूर्ति के लिए दावा जमा करने के बावजूद भुगतान नहीं मिला। यह प्रक्रिया विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के पेंशनरों के लिए और भी कठिन है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म और कागजी कार्रवाइयों से परिचित नहीं हैं उनकी हालत बहुत खराब है।

केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (CGHS) में देश भर में 300 से अधिक शहरों में पैनल अस्पतालों का व्यापक नेटवर्क है। RGHS को भी अन्य राज्यों में अस्पतालों का विस्तार करना चाहिए। CGHS की तरह ऑनलाइन दवा वितरण शुरू किया जाए। तमिलनाडु की मुख्यमंत्री व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना (CMCHIS) में ऑनलाइन दावा ट्रैकिंग और त्वरित निपटान की प्रणाली है, जिसे RGHS में लागू किया जा सकता है। तमिलनाडु का PPP मॉडल भी अस्पतालों की संख्या बढ़ाने में उपयोगी हो सकता है। केरल की करुणा स्वास्थ्य योजना में गंभीर बीमारियों के लिए विशेष कवरेज और सामुदायिक भागीदारी के उदाहरण अपनाए जा सकते हैं। दिल्ली की आयुष्मान भारत योजना में मोबाइल स्वास्थ्य क्लीनिक ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। स्पष्ट है कि RGHS में पेंशनरों की समस्याएँ, जैसे दवाइयों की अनुपलब्धता, नकद रहित सुविधा का अभाव, और घोटाले, इस योजना की कमजोरियों को दर्शाते हैं। सरकारी उदासीनता ने इन समस्याओं को और बढ़ाया है। प्रशासनिक सुधार, तकनीकी उन्नयन, और अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर RGHS को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। यह योजना पेंशनरों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बन सकती है, बशर्ते सरकार इन समस्याओं को गंभीरता से ले और त्वरित कदम उठाए। पेंशनर्स के प्रति सरकार का सौहार्द पूर्ण रवैया स्वयं सरकार की शाख को बढ़ाने वाला होगा। वरिष्ठ नागरिकों की हिफाजत और उनका सम्मान किसी भी समाज की संवेदनशीलता का प्रमाण होता है आशा है सरकार इस दिशा में समुचित कदम उठाएगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षाविद् और चिन्तक

पाली जिले के लिये वरदान जवाई बांध परियोजना - जल संरक्षण की मजबूत मिसाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि प्रदेश में जल की कमी न हो, प्रदेश हरा-भरा और स्वच्छ हो

सौरभ सिंगारिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि प्रदेश में जल की कमी न हो, उसका संरक्षण और संग्रहण किया जाए जिससे प्रदेश खुशहाल बने, साथ ही प्रदेश में वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जाए जिससे कि प्रदेश हरा-भरा बने।

इसी लक्ष्य प्राप्ति के लिए राज्य में ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 5 जून, 2025 से प्रांरभ किया है जिसमें जल संरक्षण संठाहण, पर्यावरण संरक्षण व पौधारोपण , स्वच्छता और इसके लिये जागरूकता को महत्व दिया है।

जवाई बांध - पाली की लाइफलाइन :-इस बाँध का शिलान्यास जोधपुर महाराजा उम्मेदसिंह द्वारा 13 मई, 1946 को किया गया था। परियोजना की कुल लागत 2.60 करोड रूपये थी। बांध निर्माण कार्य 1957 में पूर्ण हुआ। निर्माण के बाद 1973 में प्रथम बार गेट खोल कर पानी की निकासी की गई एवं बांध का गेज 60.00 फिट से बढ़ाकर 61.25 फीट किया गया।

बांध में पानी की आवक बढाने के लिये वर्ष 1969 से 1978 के मध्य सेई अपर्वतन योजना का कार्य किया गया। सेई बांध से 6776 मीटर लम्बी सुरंग के माध्यम से जवाई बांध में पानी का अपर्वतन प्रारम्भ किया गया। वर्ष 2006 के दौरान सेई बांध की उचाई 8.25 मीटर से बढाकर 10.93 मीटर की गई जिसमें जवाई बांध को अतिरिक्त 516 मीट्रिक घन फीट पानी उपलब्ध हो सका। निर्माण के 63 वर्षो में अब तक अब तक जवाई बांध मात्र 9 बार ही पूर्ण भरा एवं वर्ष 1973 से 2017 के बीच आठ बार जवाई बांध के गेट खोलकर पानी को जवाई नदी में छोडा गया।

पेयजल में प्रमुख स्त्रोत :- जवाई बांध से वर्तमान में सिरोही जिले के शिवगंज कस्बे एवं पाली जिले के शहरों समेत 9 कस्बों सुमेरपुर, देसूरी, रानी, जैतारण, मारवाड़ जंक्शन, रायपुर, रोहट, सोजत व बाली तथा 985 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

सिंचाई से किसानों को लाभ :- जवाई बांध से 57 गांवों के 38671.00 हैक्टेयर (पाली जिले के 33 गांव एवं जालौर जिले के 24 गांवों के 38600 किसान सिंचाई सुविधा से लाभान्वित होते है।

नहरों की स्थिति :- जवाई कमाण्ड क्षेत्र में मुख्य नहर 23.10 किमी. लम्बी है। इस नहर की 5 वितरिकाए हैं, जिनकी लम्बाई 133.30 किमी. एवं 16 माइनर नहरों की लम्बाई 97.40 किमी. है। इनके द्वारा कुल 233.80 किमी. लम्बाई की पक्की नहरों द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

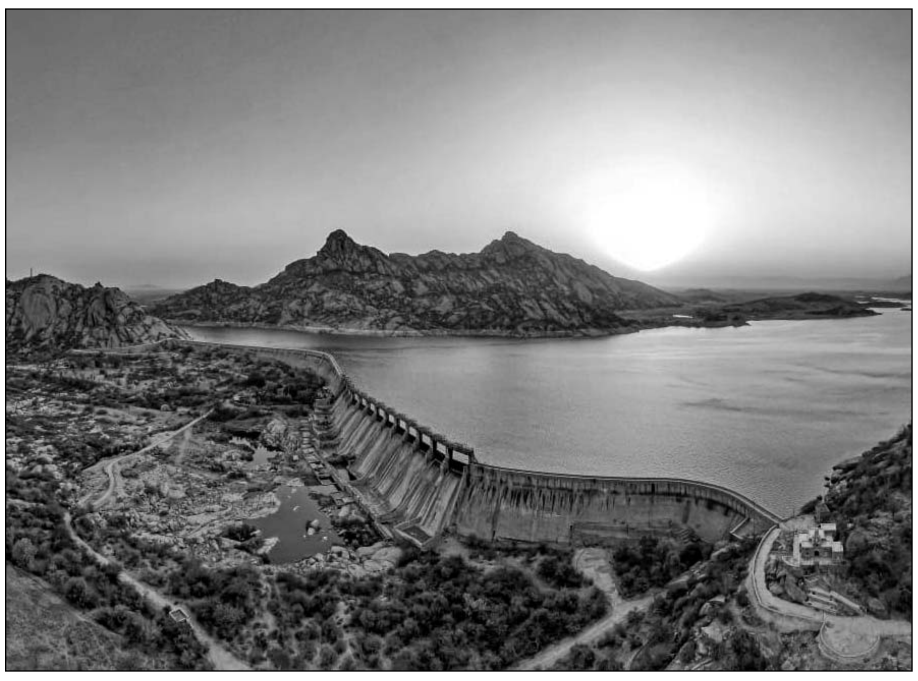

जल संगम :- जवाई कमाण्ड क्षेत्र में सरकार व किसानों के बीच तालमेल व सिंचाई में सरकार की ओर से पारदर्शिता के लिये किसानों के लिये 15 जल उपभोक्ता संगम है। इनके सहयोग से जल वितरण समिति की बैठक में पारित प्रस्ताव व निर्णयों के अनुसार टेल से हेड तक खसरों के क्षैत्रफल के अनुसार काश्तकारों को समय आवंटित कर बाराबंदी व्यवस्था से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

जवाई बांध में पानी लाने वाली सेई बांध की सुरंग को 1.5 मीटर गहरा करने हेतु कार्य प्रगति पर है। इस कार्य के बाद जवाई को 840 मीट्रिक घन फीट प्रतिवर्ष अतिरिक्त पानी उपलब्ध होगा।

वर्तमान में जवाई का जल स्तर 60 फीट है। जवाई बांध और इसके आसपास का क्षेत्र पिछले कुछ समय से देश के पर्यटन मानचित्र पर नया सितारा बनकर उभरा है। जवाई लेपर्ड सवारी देश-विदेश के सेलिब्रिटी के बीच आकर्षण का केन्द्र बना है जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में जबर्दस्त परिवर्तन आया है।

सौरभ सिंगारिया
सहायक निदेशक, पाली
सूचना एवं जनसंपर्क
विभाग, राजस्थान

म्यूचुअल फंड्स को भी डीमैट में लाना क्यों ज़रूरी है?

सुनील दत्त गोयल

भारत में पूंजी बाजार लगातार विकसित हो रहा है। भारतीय वित्तीय बाजार में डिजिटलीकरण की क्रांति ने पिछले दशकों में अभूतपूर्व परिवर्तन लाए हैं। टेक्नोलॉजी, पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की रक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और सरकार ने समय-समय पर कई दूरदर्शी निर्णय लिए हैं। स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध सभी सिक्योरिटीज को 100ऌ डीमैट (डिमैटेरियलाइज़्ड) फॉर्मेट में लाना ऐसा ही एक कदम था, जिसने शेयर बाजार में धोखाधड़ी की संभावनाओं को कम किया और लेनदेन को त्वरित एवं पारदर्शी बनाया। सेबी और सरकार डिजिटलीकरण का ढिंढोरा तो पीटती हैं, मगर म्यूचुअल फंड्स के मामले में जानबूझकर पिछड़ापन क्यों बनाए हुए हैं? शेयरों और प्राइवेट कंपनी शेयरों को डीमैट में बदलकर उन्होंने दिखा दिया कि वे जानते हैं कि कैसे धोखाधड़ी रोकी जाती है। फिर इस 72 लाख करोड़ के एक महत्वपूर्ण निवेश के साधन म्यूचुअल फंड्स को डीमैट में अनिवार्य करने की दिशा में अब तक कदम क्यों नहीं उठाया गया? क्या यह जानबूझकर की गई लापरवाही है?

देश की एसेट मैनेजमेंट कंपनियां (ए एम सी) करोड़ों निवेशकों का पैसा संभालती हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मई 2025 के अंत में कुल एयूएम 72.18 लाख करोड़ था। यह पिछले महीनों की तुलना में पर्याप्त वृद्धि और साल-दर-साल उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जिसमें उद्योग का एयूएम अप्रैल 2025 में 70 ट्रिलियन का आंकड़ा पार कर गया है।

यह बात समझ से परे है: म्यूचुअल फंड्स का वॉल्यूम आज लिस्टेड सिक्योरिटीज के वॉल्यूम के लगभग बराबर है। इसके बावजूद यह पारंपरिक और जटिल व्यवस्थाओं में फंसा हुआ है। म्यूचुअल फंड यूनिट्स को 100ऌ डीमैट में लाने से न केवल निवेशकों का काम आसान होगा, बल्कि पूरे बाजार में क्रांतिकारी बदलाव होगा। जैसे आरबीआई हर रोज डॉलर और विदेशी मुद्राओं की दर तय करता है, वैसे ही म्यूचुअल फंड्स की एनएवी तो रोज घोषित होती है, फिर यही यूनिट्स उसी दिन के भाव पर क्यों नहीं खरीदी-बेची जा सकतीं? क्या तकनीक नहीं है, या फिर इच्छाशक्ति की कमी है?

वर्तमान स्थिति और चुनौतियां

वर्तमान में, म्यूचुअल फंड्स में निवेश के लिए निवेशकों के पास दो विकल्प हैं - या तो स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट (एसओए) के माध्यम से या फिर डीमैट अकाउंट के माध्यम से। हालांकि, डीमैट फॉर्मेट एक विकल्प मात्र है, अनिवार्य नहीं। इससे कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जैसे रिडेम्पशन में देरी, पेपरवर्क की अधिकता, और निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो का समग्र दृश्य प्राप्त करने में कठिनाई। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार विशाल है। मई 2025 तक, भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 72.20 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि म्यूचुअल फंड्स अब भारतीय निवेशकों के बीच कितने लोकप्रिय हो गए हैं। इतने बड़े बाजार के लिए एक समान, पारदर्शी और कुशल प्रणाली की आवश्यकता है।

डीमैट फॉर्मेट के लाभ

म्यूचुअल फंड्स को अनिवार्य रूप से डीमैट फॉर्मेट में लाने से कई महत्वपूर्ण लाभ होंगे:

निवेशकों के लिए लाभ

1. रियल-टाइम ट्रांजैक्शन: निवेशक तुरंत ऑनलाइन रिडेम्पशन और खरीद कर सकेंगे, जिससे उन्हें उसी दिन का नवीनतम मूल्य मिलेगा, बिना एक दिन का इंतज़ार किए।

2. एकीकृत पोर्टफोलियो दृश्य: निवेशक अपने सभी निवेशों - शेयर, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड्स - को एक ही डीमैट अकाउंट में देख सकेंगे, जिससे पोर्टफोलियो प्रबंधन आसान होगा।

3. पेपरवर्क में कमी: डीमैट फॉर्मेट में म्यूचुअल फंड्स रखने से भौतिक दस्तावेजों या पेपरवर्क की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।समस्त कार्य पेपर लेस होने की वजह से माननीय मोदी सरकार का डिजिटल इंडिया का सपना साकार होता है ।

बाजार के लिए लाभ

1. बाजार में वॉल्यूम वृद्धि: म्यूचुअल फंड्स को ट्रेडेबल बनाने से बाजार में वॉल्यूम में तुरंत प्रभाव से वर्तमान मूल्यांकन के हिसाब से बेहतर 72 लाख करोड रुपए से भी अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

2. रॉन्ग सेलिंग पर लगाम: एजेंट्स या डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा स्कीम की गलत बिक्री की संभावनाएं खत्म हो जाएंगी।

3. ब्रोकर्स के लिए अवसर: शेयर बाजार के ब्रोकर्स के पास बड़ा वॉल्यूम आएगा, जिससे उनके व्यवसाय में वृद्धि होगी।

4. डिजिटल परिवर्तन: पूरा म्यूचुअल फंड सिस्टम डिजिटल हो जाएगा, जिससे भारत के डिजिटल वित्तीय परिवर्तन को बढ़ावा मिलेगा।

फंड मैनेजर्स के लिए लाभ

फंड मैनेजर्स पर दैनिक रिडेम्पशन और नए निवेश के मानसिक दबाव से मुक्ति मिलेगी। रिडेम्पशन के दबाव से मुक्त होकर वे बेहतर और दीर्घकालिक रणनीतियों पर काम कर पाएंगे, जिससे उनके निवेश निर्णय बेहतर होंगे।

कार्यान्वयन का प्रस्तावित मॉडल

म्यूचुअल फंड्स को ट्रेडेबल बनाने के लिए एक मॉडल प्रस्तावित किया जा सकता है:-

1. एनएसई का म्यूचुअल फंड सर्विस सिस्टम (एमएफएसएस): एनएसई पहले से ही एमएफएसएस प्रदान करता है, इसी प्रकार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में बीएसई स्टार, जिसके माध्यम से निवेशक म्यूचुअल फंड यूनिट्स खरीद और बेच सकते हैं। इस प्रणाली को विस्तारित करके सभी म्यूचुअल फंड्स के लिए अनिवार्य किया जा सकता है।

2. डेली एनएवी के आधार पर ट्रेडिंग: जैसे आरबीआई हर दिन विदेशी मुद्राओं के लिए रेट तय करता है, वैसे ही म्यूचुअल फंड कंपनियां हर शाम अपनी एनएवी घोषित करती हैं। इसी एनएवी के आधार पर अगले दिन की ट्रेडिंग हो सकती है।

3. डिपॉजिटरी सिस्टम का उपयोग: एनएसडीएल और सीएसडीएल जैसे डिपॉजिटरीज पहले से ही म्यूचुअल फंड यूनिट्स को डीमैट फॉर्म में रखने की सुविधा प्रदान करते हैं। इस व्यवस्था को अनिवार्य बनाया जा सकता है।

सरकार और सेबी से अपेक्षा

जब सेबी ने लिस्टेड सिक्योरिटीज और प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के लिए डीमैट फॉर्मेट अनिवार्य कर दिया है, तो समय आ गया है कि सरकार और सेबी सभी स्टेकहोल्डर्स से चर्चा कर इस महत्वपूर्ण सुधार को लागू करें। म्यूचुअल फंड्स को अनिवार्य डीमैट फॉर्मेट में लाकर भारत के शेयर बाजार को पारदर्शिता, तरलता और निवेशकों के विश्वास का नया आधार दिया जाए। यह न केवल निवेशकों के लिए सुविधाजनक होगा, बल्कि पूरे वित्तीय बाजार के लिए एक नए युग की शुरुआत होगी। सरकार और सेबी को सभी हितधारकों - एसेट मैनेजमेंट कंपनियों, स्टॉक एक्सचेंजों, डिपॉजिटरीज और निवेशकों - के साथ मिलकर इस परिवर्तन को लागू करने के लिए एक रोडमैप तैयार करना चाहिए। यह कदम भारतीय वित्तीय बाजारों में पारदर्शिता, कुशलता और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देगा, जिससे अंततः निवेशकों का कल्याण होगा। भारत के वित्तीय बाजारों में यह परिवर्तन एक नए जीवन, नए युग और नई दिशा की शुरुआत होगी, जो हमारे देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
जयपुर।

राशिफल शनिवार 21 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र सायं 7:50 तक, अतिगंड योग रात्रि 8:29 तक, विष्टिकरण प्रातः 7:19 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा प्रातः 7:19 तक है। सायन कर्क में सूर्य प्रवेश प्रातः 8:12 पर होगा। आज योगिनी एकादशी व्रत स्मार्तों का है। आज एकादशी तिथि का क्षय हुआ है। आज सूर्य दक्षिणायन आरम्भ होगा। वर्षा ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:20 से 9:03 तक, चर 12:38 से 2:11 तक, लाभ-अमृत 2:11 से 5:36 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष

मित्रों-रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

लावारिश अस्थियों का विसर्जन होगा

जोधपुर, (कासं)। हिन्दू सेवा मण्डल, जोधपुर 1121 लावारिश शवों की अस्थियों का विसर्जन हरिद्वार में करेगा हिन्दू सेवा मण्डल जोधपुर के प्रधानमंत्री विष्णुचन्द्र प्रजापत ने बताया कि मण्डल गत 100 वर्षो से मानव मात्र की सेवा में समर्पित रहते हुए अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मण्डल द्वारा विभिन्न सेवा कार्यो के साथ समस्त पुलिस थानो एवं अस्पतालों से प्राप्त लावारिश शवों का अन्तिम संस्कार करते हुए अस्थियों के मोक्ष के लिए माँ गंगा की गोद हरिद्वार में विशर्जन की जाती है । इस वर्ष 1121 अस्थियों को लेकर हिन्दू सेवा मण्डल का एक शिष्टमण्डल 23 जून को हरिद्वार के लिए प्रस्थान करेगा। इस से पूर्व 22 जून सायं 6 बजे घण्टाघर के प्रागण में दिवंगत आत्माओं के नाम भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा । इस भजन संध्या में गीता बाल संस्कार के बच्चो द्वारा गीता पाठ एवं पं. विजयदत्त पुरोहित द्वारा मंत्रोचारण द्वारा दिवंगत आत्माओं के मोक्ष की कामना की जाएगी । भजन गायक गीता मेवाडा, तखतसिंह, दीपक जोशी, रामकिशोर दाधीच सहित कई भजन गायक अपनी प्रस्तुति देगे । इस आयोजन को लेकर हिन्दू सेवा मण्डल के प्रधान महेश कुमार जाजडा, प्रधानमंत्री विष्णुचन्द्र प्रजापत, उपप्रधान भेरूप्रकाश दाधीच, कोषाध्यक्ष, कैलाश जाजू, संस्कारमंत्री राकेश गौड, उप कोषाध्यक्ष मदन सैन, सदस्य प्रेमराज खिवसरा, नरेन्द्र सिंह गहलोत, सुरेन्द्र सिंह सांखला, यतिन्द्र प्रजापत, हन्वतराज गॉच्छा, महेन्द्रसिंह तंवर, व्यवस्था को अन्तिम रूप दे रहे है।

बाड़मेर आगार में 18 बसों का सौंदर्यकरण

बाड़मेर, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से संचालित मेरी बस मेरी जिम्मेदारी योजना के अंतर्गत बाड़मेर आगार में अब तक कुल 18 रोडवेज बसों का सौंदर्यकरण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। यह कार्य निगम अध्यक्ष शुभ्रा सिंह एवं प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा के दिशा-निर्देशन में प्रदेशव्यापी स्तर पर चलाया जा रहा है। बाड़मेर आगार के मुख्य प्रबंधक ओम प्रकाश ने बताया कि बाड़मेर आगार की ओर से सौंदर्यीकृत की गई बसों में 13 बसें वर्ष 2020 मॉडल तथा 5 बसें वर्ष 2024 मॉडल की हैं। उनके मुताबिक योजना का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना एवं बसों की स्थिति में समठा सुधार लाना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत बसों की यांत्रिक मरम्मत, रंग-रोगन, सीटों की मरम्मत एवं अन्य आवश्यक सौंदर्यकरण कार्य किए जा रहे हैं। इससे यात्रियों को अधिक साफ-सुथरी, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बाड़मेर आगार के मुख्य प्रबंधक ओम प्रकाश ने बताया कि मुख्यालय के निर्देशानुसार यह कार्य लगातार जारी है। हमारी प्राथमिकता यात्रियों को सर्वोत्तम एवं सुगम सेवाएं प्रदान करना है। मेरी बस मेरी जिम्मेदारी योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। भविष्य में और अधिक बसों को इस योजना में सम्मिलित कर सौंदर्यकरण किया जाएगा।

पाली जिला परिषद् कार्यालय में सफाई

पाली, (नि.सं.)। जिला परिषद कार्यालय में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी के निर्देश पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत कार्यालय व छत की साफ सफाई कर श्रमदान किया गया। साथ ही जल संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत कार्यालय के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों ने भाग लिया। श्रमदान के तहत कमरों की साफ-सफाई, रेकर्ड व्यवस्थित किया। इसके अतिरिक्त कार्यालय के छत की सम्पूर्ण साफ-सफाई की गयी। लेखाधिकारी सम्पतराज परिहार द्वारा कार्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को जल सरंक्षण की शपथ दिलाई। अतिरिक्त विकास अधिकारी सज्जनसिंह, भंवरलाल चौधरी, महेन्द्र प्रजापत, अरूण वैष्णव, सहायक लेखाधिकरी हिम्मतमल डाबी, हाजी मोहम्मद, श्रवण कुमार, रिषी कुमार, सुरेश विश्नाई, लखराम, जावेद, बुद्धराज डाबी, लक्ष्मण गौड़, मनमोहन भटनागर, बाबुलाल सैन, गोविन्दसिंह, नरपतसिंह, अणचीदेवी, हेमलता, जगदीश आदि उपस्थित होकर कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग दिया।

पति-पत्नी की सुलह करवाई

रेवदर, (निसं)। उपखण्ड मजिस्ट्रेट रेवदर ने ज्योतिबेन पत्नी रितिक परमार निवासी-लाखणासर गुजरात, हाल मुम्बई द्वारा जरिए अधिवक्ता प्रवीणदान चारण प्रार्थना पत्र पेश किया गया। जिस पर अप्रार्थीगण रितिक परमार पुत्र भरत परमार वागरी के निवास स्थान नाला सोपारा मुम्बई से प्रार्थीया की पुत्री रितिका उम्र ०3 वर्ष को न्यायालय में पुलिस संरक्षण में पेश करने को लेकर थानाधिकारी मण्डार को वारन्ट जारी किया गया। वारन्ट की पालना में पुलिस संरक्षण में दिनांक 18 जून 2025 को अप्रार्थी रितिक परमार मय प्रार्थीया ज्योतिबेन व अप्रार्थी रितिक परमार की पुत्री रितिका को उपखण्ड मजिस्ट्रेट रेवदर के समक्ष पेश किया गया। उपखण्ड मजिस्ट्रेट रेवदर नरेन्द्र जांगिड ने पति पत्नी के बीच समझाईश कर सुलह करवाई। पति पत्नी पुनः साथ रहने को सहमत हुए। प्रार्थीया व अप्रार्थी रितिक परमार की पुत्री रितिका को पति-पत्नी को सुपुर्द किया गया।

सांख्यिकी कार्यालय चौहटन का निरीक्षण

बाड़मेर, (नि.सं.)। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग बाड़मेर के उप निदेशक जसवंत कुमार गौड़ ने शुक्रवार को ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालय चौहटन का औचक निरीक्षण किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार निरीक्षण के दौरान उप निदेशक गौड़ ने विभागीय कार्यों जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, जन आधार, स्थानीय निकायों के लेखे, ई-ग्राम, संस्था आधार, सांख्यिकी रूपरेखा, सतत् विकास लक्ष्य, फोल्डर, राजस्थान सम्पर्क आदि कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्क निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन कार्यालय ग्राम पंचायत सनाऊ एवं सांवलोर का भी निरीक्षण किया। जहां पंजीयन कार्य से संबंधित रिकॉर्ड व्यवस्थिति रूप से संधारित नहीं पाए जाने पर गंभीरता से लेते हुए विकास अधिकारी चौहटन नरसिंह दास को संबंधित ग्राम विकास अधिकारियों को दस्तावेज दुरस्त करने करने के लिए निर्देशित किया। ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी प्रतीक कुमार, सांख्यिकी निरीक्षक तनसुख दास खत्री, संगणक भावेश कुमार उपस्थित रहे।

जालोर से जोधपुर वाया कल्याणपुर बस

जालोर, (कासं)। जनता एवं जनप्रतिनिधियों की मांग पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम जालोर आगार द्वारा जालोर-जोधपुर वाया मोकलसर सिवाना, समदड़ी, कल्याणपुर, जोधपुर होकर निगम की दुर्तगामी बस सेवा का संचालन 21 जून से किया जायेगा। डिपो जालोर के मुख्य प्रबंधक ओम लीलावत ने बताया कि निगम द्वारा 21 जून से जालोर-जोधपुर (समय 7 -10.15) व जोधपुर-जालोर (समय 15-18.15) वाया मोकलसर, सिवाना, समदड़ी, कल्याणपुर होते हुए दुर्तगामी सेवा का संचालन किया जायेगा। इस बस सेवा पर बुकिंग काउन्टर से अथवा परिचालक की मशीन से टिकिट जारी करवाई जा सकती है। बस में चढ़ने से पहले यात्री परिचालक से स्टॉपेज की जानकारी प्राप्त करें। इस सेवा में राजस्थान सरकार द्वारा रियायत/निःशुल्क सुविधाएँ भी देय होगी।

गांधी चौक में मूत्रालय मरम्मत की मांग

जालोर, (कासं)। दी जनरल मर्चेंट एसोसिएशन जालोर के तत्वावधान मैं शुक्रवार को शहर के मुख्य मार्केट स्थित गांधी चौक में जर्जर सार्वजनिक मूत्रालय की मरम्मत करने की मांग को लेकर एडीएम राजेश मेवाडा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि गांधी चौक में स्थित सार्वजनिक मूत्रालय जर्जर होने से बारिश की वजह से गिर जाने से एक व्यापारी की हल्की चोट लगी । मूत्रालय की मरम्मत की जाये । ताकि मुख्य मार्केट में आने वाली महिलाओं व अन्य लोगो को शौच के लिए असुविधा का सामना नही करना पड़े। इस अवसर पर अध्यक्ष जालम सिंह नरावत, सचिव कैलाश कुमार लखारा, कल्पेश जैन, दिलीप सेन, संजय रावल, पीताम्बर, महेंद्र सोनी, राजू सोनी, सुरेश माली, अशोक माली मोइनुद्दीन बंगाली, महावीर एवं समस्त गांधी चौक के व्यापारी मौजूद रहे।

अधिवक्ता के हाथ से मोबाइल झपटा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के प्रतापनगर बस स्टेण्ड के पास में एक अधिवक्ता के हाथ से एक्टिवा सवार दो युवक मोबाइल झपट कर ले गए। वे फोन पर किसी से बात कर रहे थे। अधिवक्ता की तरफ से अब प्रतापनगर थाने में अज्ञात शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की पहचान कर तलाश में जुटी है। प्रतापनगर पुलिस ने बताया कि राजीव गांधी नगर निवासी एडवोकेट मुकेश राजपुरोहित पुत्र नारायणसिंह राजपुरोहित ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 18 जून की शाम के समय वह प्रतापनगर बस स्टेण्ड पर फोन से बात कर रहे थे। तब एक एक्टिवा पर सवार होकर आए दो बदमाश उनका मोबाइल झपट कर ले गए।

11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर लोग करेंगे एक साथ योग

पाली,(नि.सं.)। जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 जिला मुख्यालय, प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालयों, ग्राम पंचायत, धार्मिक-सामाजिक स्थलों, पर्यटन स्थलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर 21 जून, 2025 को एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग की थीम के साथ आयोजित होगा।

जिला स्तरीय कार्यक्रम लाखोटिया में व जिले के अन्य पर्यटक व धार्मिक स्थानों पर जिला ब्लॉक व ग्राम स्तर पर भी योग दिवस के कार्यक्रम प्रातः आयोजित होंगे। जिसमें केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के विभागों, उपक्रमों, निगमो, बोर्ड एवं सामाजिक भामाशाहों, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, स्वयं सेवी संगठनं आदि भाग लेंगे।

प्रभारी मंत्री खर्रा एवं प्रभारी सचिव भगत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी रहेंगे मौजूद

योग दिवस के अवसर पर शहर के लाखोटिया में प्रभारी एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रभारी सचिव पाली अश्विनी भगत सहित अधिकारी एवं पांच हजार लोग भी योगाभ्यास करेंगे। योग दिवस के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग ने सभी तैयारी पूर्ण कर ली है।

जिले में रणकपुर, मानपुरा भाखरी, सोनाणा खेतलाजी, ओम आश्रम जाडन, जवाई आदि पर भी योग दिवस का आयोजन किया जायेगा।

साथ ही ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर, आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा चिन्हित धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर प्रातः 6:00 से 8:00 बजे जिसमें 6:30 से 7:00 बजे तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उदबोधन का लाईव प्रसारण होगा तत्पश्चात 7:00 से 7:45 तक आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल अनुसार योगाभ्यास कर योग दिवस का आयोजन किया जायेगा।

बाड़मेर संवाददाता के अनुसार : योग दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में बाड़मेर जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत शामिल होंगे। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं अधिकाधिक आमजन की भागीदारी के लिए समुचित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत ने बताया कि बाड़मेर जिला मुख्यालय पर आदर्श स्टेडियम के अलावा शिव मुंडी, सोन तालाब एवं जसदेर तालाब परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित होगा। इसके अलावा उपखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर तक योग प्रशिक्षकों की ओर से आमजन को योग का अभ्यास करवाया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि सामूहिक योगाभ्यास से पूर्व जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा चिन्हित धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों पर शनिवार प्रातः 6.30 बजे से 7 बजे तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संबोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके उपरांत सुबह 7 से 7.45 बजे तक आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से निर्धारित कॉमन प्रोटोकॉल अनुसार योगाभ्यास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी,एक स्वास्थ्य के लिए योग रखी गई है। उन्होंने अधिकाधिक आमजन से योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

योग दिवस की तैयारियां पूरी

जोधपुर, (कासं)। 11 वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस शनिवार को जोधपुर में अनेक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत योग शिविर में भाग लेने जोधपुर पहुंचे। वे शनिवार, 21 जून को वे प्रातः 6:50 बजे मेहरानगढ़ किले में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल का मुख्य योगाभ्यास कार्यक्रम 21 जून, शनिवार को रेलवे स्टेडियम पर आयोजित किया जाएगा।

जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि 11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम आधारित रेलवे का योगाभ्यास का मुख्य कार्यक्रम शनिवार प्रातः सुबह 6 बजे से 8 बजे तक रेलवे स्टेडियम पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर विशेष रूप से रेल कर्मियों एवं उनके परिवारजनों के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उन्हें विभिन्न योगासनों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। डा.सर्पल्ली राधाकष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ऋषि फिटनेस, प्रताप नगर जोधपुर में 21 जून को भव्य आयोजन किया जाएगा। फिटनेस एक्सपर्ट नौशाद अंसारी ने बताया कि योग दिवस की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

फलोदी दुर्ग में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 6 से 8 बजे तक चलेगा। इसमें सुबह 6:30 से 7:00 बजे तक प्रधानमंत्री का संबोधन होगा। इसके बाद 7:00 से 7:45 बजे तक कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया जाएगा।

कलक्टर हरजी लाल अटल ने बताया कि इस वर्ष धार्मिक और पर्यटक स्थलों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिले की सभी ग्राम पंचायतों और ब्लॉक स्तर पर भी योग कार्यक्रम होंगे। इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग रखी गई है।

निजी अस्पताल के शिविर में युवक की बिगड़ी तबीयत, एम्स रैफर के बाद मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाली रोड पर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में निःशुल्क जांच और ऑपरेशन कराने आए एक युवक की ऑपरेशन थियेटर में तबीयत बिगड़ गई। युवक को बाद में एम्स अस्पताल रैफर कर दिया गया। यहां पर उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजन निजी अस्पताल के बाहर डॉक्टर्स द्वारा लापरवाही किए जाने का आरोप लगाते हुए धरना दे दिया। सूचना पर विवेक विहार पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे।

जानकारी अनुसार संजय कॉलोनी, प्रतापनगर क्षेत्र में रहने वाले टैक्सी चालक और होमगार्डस प्रेम कुमार पुत्र मांगीलाल भील ने शारीरिक तकलीफ के कारण पाली रोड स्थित निजी अस्पताल में 17 जून को चैकअप कराया था और उसको 18 जून को भूखे पेट बुलाकर ऑपरेशन थियेटर में लेकर गए थे। जहां ऑपरेशन करने के समय लगाए बेहोशी के इंजेक्शन के बाद वो होश में नहीं आया और 18 को तो डाक्टरों ने उसे अपने अस्पताल के आईसीयू में ही रखा और 19 जून की दोपहर बाद सघन उपचार के नाम पर परिजनों को गुमराह कर एम्बुलेंस में डालकर एम्स भेज दिया गया।

परिजन ने बताया कि जब वो उसे एम्स लेकर गये और एम्बुलेंस से लाइफ सपोर्ट हटाकर एम्स में शिफ्ट किया तो उसको डाक्टरों ने मृत बता दिया। परिजनों ने पहले एम्स में विरोध किया और बाद में विवेक विहार पुलिस को सूचना दी गई। परिजन द्वारा कल भी प्रदर्शन किया गया था। जबकि मृतक का शव एम्स की मोर्चरी् में रखा है। मृतक के तीन छोटी बच्चियां और एक पुत्र है। मृतक के भाई बालकिशन ने इस संबंध में विवेक विहार थाने में रिपोर्ट दी है। परिजन का कहना है कि इलाज में कोताही बरतने वाले डॉक्टर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और मृतक के परिवार को मुआवजा दिलाया जाएगा।

रोहट में सर्वाधिक बारिश दर्ज

पाली, (नि.सं.)। पिछले चौबीस घंटों के दौरान रोहट उपखंड क्षेत्र में सर्वाधिक 32 एमएम वर्षा दर्ज की गई। जल संसाधन विभाग के नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों में प्रातः 8:30 बजे तक रोहट में सर्वाधिक 28 एमएम बारिश दर्ज की गई। पाली में 20 एमएम एवं सुमेरपुर में 15 एमएम बारिश दर्ज की गई।

युवक ने दी जान

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 14 में एक युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि मामले में चौहाबो सेक्टर 14 की रहने वाली हेमा पत्नी राजेश ने मर्ग में रिपोर्ट दी।

पटरी पर रील बनाने वाला युवक कमलेश निरूद्ध

बालोतरा, (नि.सं.)। बालोतरा पुलिस ने रेलवे पटरी पर सोकर ट्रेन अपने ऊपर से गुजरने की रील बनाने का सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के मामले में आरोपी को निरूद्ध किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित जैन आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा ने बताया कि सोषल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर गहन साइबर पेट्रोलिंग कर सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने एवं सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की फैक/भ्रामक पोस्ट, गलत टिप्पणी, आपसी सौहार्द व कानून व्यवस्था बिगाड़ने सम्बन्धी एवं गैर-कानूनी पोस्ट करने वालों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कार्रवाई के विशेष अभियान के तहत निर्देशानुसार गोपालसिंह भाटी आरपीएस, नोडल अधिकारी, सोशल मीडिया सेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा व सुशीलमान आरपीएस वृताधिकारी बालोतरा के निकट सुपरवीजन में चेलसिंह नि. थानाधिकारी बालोतरा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा एक युवक द्वारा रेलवे पटरी पर सोकर अपने जीवन को खतरे में डालकर ऊपर से रेल गुजरने की रील बनाकर वायरल करने के मामले को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई करते हुए शख्स कमलेश को निरूद्ध करने में सफलता हासिल की है।

20 जून को एक युवक द्वारा रेलवे पटरी पर सोकर अपने जीवन को खतरे में डालकर अपने ऊपर से रेल गुजरने की रील बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड करना ज्ञात हुआ।

रेलवे ट्रेक पर रील का खतरनाक तरीके से बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त शख्स की इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर कमलेश (21) पुत्र शिवलाल मेघवाल निवासी तिलवाड़ा पुलिस थाना जसोल के रूप में पहचान कर थाना बालोतरा की टीम राकेश कुमार सउनि. मय जाब्ता द्वारा कस्बा बालोतरा से दस्तयाब किया गया। घटनाक्रम रेलवे पुलिस क्षेत्र का होने से अग्रिम कार्रवाई के लिए आरपीएफ बालोतरा को सुपुर्द किया गया।

केंद्र सरकार के 11 वर्षो की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन

रेवदर , (निसं)। सिरोही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, सिरोही तथा ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में केंद्र सरकार की 11 वर्षो की उपलब्धियों पर आधारित दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन सांसद जालोर-सिरोही लुंबा राम चौधरी, जिला प्रमुख अर्जुन राम पुरोहित, मथुरा विधायक पूरन प्रकाश तथा पत्र सूचना कार्यालय एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त महासचिव एवं मीडिया प्रमुख करुणा भाई, नगर पालिका अध्यक्ष मगनदान चारण,गणपत सिंह, जिला परिषद सदस्य कन्हैयालाल, विकास अधिकारी आबूरोड पुखराज सरेल भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि लुंबा राम चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले 11 वर्षो में देश ने तेज गति से विकास किया है। योजनाओं का सीधा लाभ जनता को मिल रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, सशक्त और सुरक्षित बना है।

ऋतु शुक्ला ने कहा कि प्रदर्शनी में सरकार की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों की झलक है, जिससे आमजन को जागरूकता और प्रेरणा मिलेगी। केंद्र सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी में विभिन्न पैनल लगाए गए हैं। प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है । यह प्रदर्शनी 20 से 21 जून, 2०25 तक सुबह 10 से शाम ०4 बजे तक आम नागरिकों के लिए निःशुल्क खुली रहेंगी।

जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक परिवर्तनों का उल्लेख किया। करुणा भाई ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री का आव्हान है कि भारत विश्व गुरु बने और यह प्रदर्शनी उसी दिशा में एक कदम है।

मथुरा विधायक पूरन प्रकाश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षो में देश ने अभूतपूर्व विकास किया है। यह प्रदर्शनी उस विकास यात्रा की झलक प्रस्तुत करती है। प्रधानमंत्री ने देश में अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन किए हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह प्रदर्शनी विशेष रूप से युवाओं, छात्रों एवं आम नागरिकों को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों से जोडने का एक सशक्त माध्यम है।

अग्रणी जिला बैंक के एफ.एल.सी. दिनेश खंडेलवाल ने बैंकिंग योजनाओ की जानकारी प्रदान की। वरिष्ठ योगाचार्य गणपत सिंह देवडा व भीकसिंह भाटी ने स्वस्थ जीवन के लिए योग के महत्व पर विचार रखे। स्वागत भाषण मीडिया एवं संचार अधिकारी आशीष वर्मा तथा मंच संचालन केंद्रीय संचार ब्यूरो, सिरोही के प्रभारी फूलचंद गहलोत व डूंगरपुर प्रभारी नरेश कुमार द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में आमजन को सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों व जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बीके पुष्पेंद्र, सागर से बीके नीलम बहन, बीके लक्ष्मी बहन व सदस्य व अन्य लोग भी मौजूद रहे।

964 पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिये

जोधपुर, (कासं)। जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान के निदेशक विष्णु चरण मल्लिक ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान शनिवार को पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण करेंगे। इससे पहले गुरुवार को डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज, जोधपुर के सभागार में आयोजित नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण शिविर में 964 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र सौंपे। जैसे ही नागरिकता प्रमाण पत्र हाथों में आया, दशकों पुराना इंतज़ार आँखों से बह निकला। इस मोके पर उनके चेहरे पर संतोष और हृदय में भारत माता से जुड़ाव की अनुभूति स्पष्ट झलक रही थी। विस्थापन की पीड़ा अब भारतीय नागरिक होने के गर्व में परिवर्तित हो गई।

मल्लिक ने इस ऐतिहासिक क्षण को विस्थापितों के संघर्ष, धैर्य और उम्मीद की जीत बताते हुए सभी नव-नागरिकों को बधाई दी और कहा कि आज आपने केवल काग़ज़ नहीं, बल्कि अपनी पहचान पाई है। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने उपस्थित लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, आज आपकी भारतीय नागरिकता की औपचारिक शुरुआत है। केंद्र और राज्य सरकारें आपके कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत हैं। ये 964 प्रमाण पत्र केवल संख्या नहीं, बल्कि 964 संघर्ष और साहस की कहानियाँ हैं। उन्होंने संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन की भावना को आत्मसात करने का आग्रह किया।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर प्रथम) उदयभानु चारण ने बताया कि दो दिवसीय यह नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण शिविर शनिवार को प्रातः नौ बजे से सायं छह बजे तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि गुरुवार को कुल 964 पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि यह शिविर केंद्र और राज्य सरकारों की मानवीय संवेदना और दूरदर्शी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जहाँ वर्षों के संघर्ष को सम्मान और स्थायित्व की सौगात मिली है।

गजनीपुरा व खिंवाड़ा में शिविर आयोजित

पाली, (नि.सं.)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को पाली जिले की ग्राम पंचायत गजनीपुरा एवं खिंवाड़ा में शिविर का आयोजन किया गया।

पंचायत समिति रानी स्टेशन के विकास अधिकारी नारायणसिंह राजपुरोहित ने बताया कि गजनीपुरा शिविर में सिलिकोसेल बीमारी की जांच के संबंध में चेतना उत्पन्न करने, ग्राम स्तर पर आयोजित किये गये कैम्प में मिशन इन्द्रधनुष (टीकाकरण) 3, किसान क्रेडिट कार्ड-1, जाति प्रमाण-पत्र-10, मूल निवास प्रमाण-पत्र-5, सामाजिक सुरक्षा पेंशन 4, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा 1, राशन कार्ड- 2, मनरेगा जॉब कार्ड-27, मौहल्लों में वॉल पेंटिंग 8, हार्डिंग व बैनर 8, कैम्प स्थल पर सेल्फी पोईट 5, पोषण अभियान-32 आदि कार्य किये गये। गजनरीपुरा शिविर में कैम्प प्रभारी सिद्वार्थ चारण, पीईईओ रणछोड बंजारा, चिकित्सा प्रभारी सुभांश सुथार, आईसीडीएस आशा सोलंकी, ग्राम विकास अधिकारी सेवाराम मीना, कनिष्ठ सहायक कैलाश मीणा, पटवारी दीपनारायण, एएनएम चन्द्रकांता, दरिया देवी, आंगनवाडी कार्यकर्ता संतोष, कमला, इन्द्रा, साथिन कंचन कंवर एवं भवंरलाल सुरक्षा गार्ड नरेश कुमार आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत खिवाडां में आयोजित शिविर में प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि-02, जाति प्रमाण-पत्र-05, मूल निवास प्रमाण-पत्र-04, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना-05, आधार कार्ड संशोधन-04, सामाजिक सुरक्षा पेंशन-07, राशन कार्ड-01, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना-06, पोषण अभियान-13, मनरेगा रोजगार आवेदन-08, मोहल्लों में वॉल पेंटिंग-08, हार्डिंग / बैनर-07, कैम्प सेल्की पोईन्ट 01 आदि कार्य किये गये। शिविर में प्रशासक श्रीपाल वैष्णव, नायब तहसीलदार मदनसिंह, भू-अभिलेख निरीक्षण रामचन्द्र, पटवारी मुकेश चारण, ग्राम विकास अधिकारी सेवाराम मीना, कनिष्ठ सहायक फुटरमल आचार्य, चिकित्सा अधिकारी भूपेन्द्रसिंह, आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमीषा विमल, आशा सुपरवाईजर आशा सोलंकी, ए.एन.एम. अनिता जेम्स, वार्ड पंच आदि उपस्थित रहे।

टी.सी. बोहरा ने नाकोड़ा मंदिर में दर्शन किए

बालोतरा,(नि.सं.)। जिला प्रभारी सचिव टी.सी. बोहरा ने शुक्रवार को नाकोड़ा तीर्थ के दर्शन कर भगवान पार्श्वनाथ के चरणों में शीश नवाया।

बोहरा अपने एक दिवसीय दौरे पर नाकोड़ा पहुंचे। उन्होंने यहां स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ नाकोड़ा भैरव मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर का अवलोकन किया। मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया और उन्हें मंदिर के इतिहास एवं महत्व के बारे में जानकारी दी। बोहरा ने कहा कि ऐसे धार्मिक स्थल आस्था सहित सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. गुंजन सोनी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश्नर सिंह चौहान, पचपदरा तहसीलदार गोपी किशन पालीवाल, विकास अधिकारी हीराराम कलबी समेत कई स्थानीय अधिकारी भी मौजूद थे।

दिव्यांग, वृद्धजन एवं विधवा महिलाओं को सहारा दिया

जोधपुर, (कासं)। जिला प्रशासन जोधपुर, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से मोटर मर्चेंट एसोसिएशन हॉल में दिव्यांगजन, वृद्धजन एवं विधवा महिलाओं के लिये एक विशाल बहुद्देशीय सहायता शिविर आयोजित किया।

शिविर का उद्घाटन केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के द्वारा किया गया । उन्होंने अपने संबोधन में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में 'दिव्यांग' शब्द को अपनाकर न केवल भाषा को संवेदनशील बनाया, बल्कि दृष्टिकोण में भी सम्मान और करुणा का संचार किया। आज समाज, सरकार और उद्योग जगत मिलकर इस विचार को धरातल पर उतार रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थितजन को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई।

शेखावत ने इंडियन ऑयल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी की यह पहल कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का एक आदर्श उदाहरण है, जो सेवा और सामाजिक समावेश का संदेश देती है। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाना और सरकारी योजनाओं की सुलभता सुनिश्चित करना था। आयोजन सेवा, समर्पण और सामाजिक न्याय की भावना को समर्पित रहा। इस दौरान वृद्धजनों, विधवा महिलाओं और दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण, स्वास्थ्य सेवाएं तथा पेंशन संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शिविर में दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक ट्रायसाइकिल, सामान्य ट्रायसाइकिल एवं व्हीलचेयर का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, राजेंद्र पालीवाल, आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक मनोज गुप्ता तथा उपमहापौर किशन लड्डा विशिष्ट अतिथि रहे।

आईओसीएल की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अन्तर्गत पूर्व-चयनित दिव्यांगजन को इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल, सामान्य ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, सुगम्य केन, कान की मशीन, सी.पी. चेयर, कहुनी बैसाखी, वॉकर, चेयर-युक्त छड़ी एवं बैसाखी सहित कई सहायक उपकरण निशुल्क प्रदान किये गये।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान 'वय वंदना' कार्ड बनाए तथा दिव्यांग एवं वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें बी.पी., शुगर, पल्स व ऑक्सीजन स्तर की जाँच शामिल रही। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने वृद्ध, विधवा तथा दिव्यांग पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन भी मौके पर सम्पन्न कराया।

शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत, डॉ. अल्का राजपुरोहित, रामभरोस साहारण, रमेशचंद्र पंवार, ओमपाल सिंह, श्रीमती दीपिका विश्नोई, जोधपुर मोटर मर्चेंट एसोसिएशन तथा ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन का सहयोग रहा।

OFFICE OF THE DY. CONSERVATOR OF FOREST , WILDLIFE, JAISALMER

No:F( )Store / DCFWL /2025/4672 Date : 20.06.2025

E -NOTICE INVITING TENDER

Bids for RCC Straight post, Chain link fence and Galvanized Barbed wire as per below ENIB Number under Wildlife Division Jaisalmer are invited from interested bidders 20.06.2025 to 30.06.2025 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in of the state.

NIB Code	UBN No.	Tender ID
FOR2526A0599	FOR2526GLOB00705	2025_FORES_481360_1
FOR2526A0560	FOR2526GLOB00706	2025_FORES_481391_1
FOR2526A0561	FOR2526GLOB00707	2025_FORES_481424_1

Dy.Conservator of Forest
Wildlife Jaisalmer

चंबल नदी के राजस्थान में बने बांध लबालब, कोटा बैराज से लगातार पानी की निकासी संभव

कैचमेंट एरिया में होने वाली बारिश से लगातार पानी की आवक होने पर निकासी की जाएगी

कोटा, (निसं)। चंबल नदी के राजस्थान में बने तीनों बांध में इस बार लबालब पानी है। ऐसे में इनका कैचमेंट एरिया में होने वाली बारिश से लगातार पानी की आवक होने पर निकासी की जाएगी। इसी के चलते

- **कोटा बैराज से दो गेट खोलकर 6500 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है, जिसमें एक गेट 3 फीट और दूसरा 5 फीट खोला गया है**

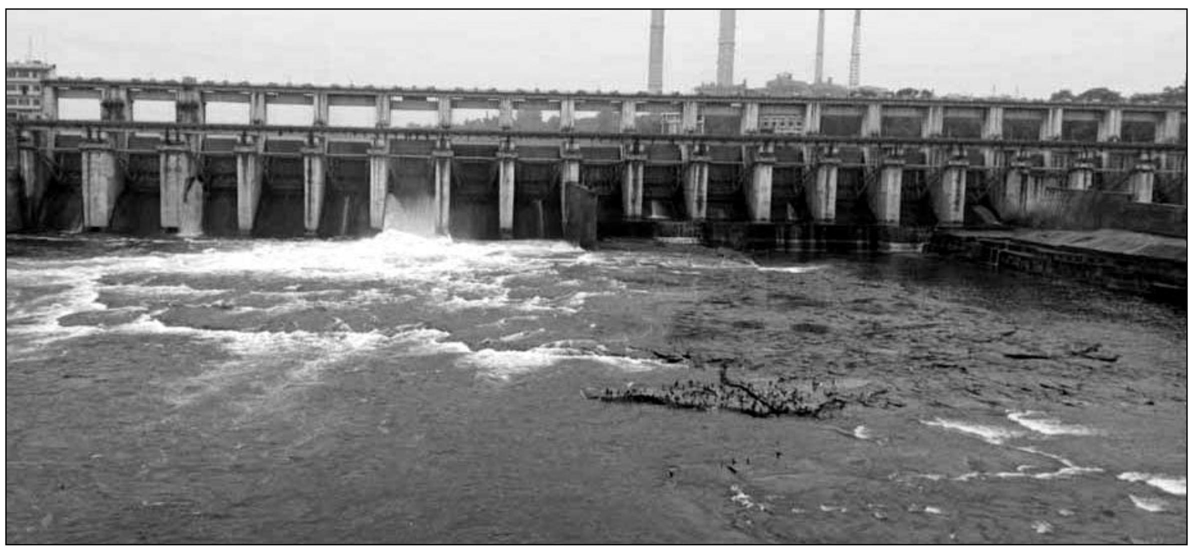

कोटा बैराज से दो गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है।

राणा प्रताप सागर बांध और जवाहर सागर बांध से मशीन डिस्चार्ज किया जा रहा है। बिजली उत्पादन भी शुरू हो गया है। साथ ही कोटा बैराज से गेट डिस्चार्ज भी शुरू कर दिया गया है। इन तीनों डैम के गेट खुलेंगे तो पानी का डिस्चार्ज किया जाएगा। इसके बाद चंबल नदी कोटा से लेकर धौलपुर तक अलर्ट मोड पर रहेगी। इस बार यह तीनों डैम 96.69 फीसदी फुल हैं। इन तीनों की पूरी कैपेसिटी 3084.03 मिलियन क्यूबिक मीटर है, जबकि इनमें वर्तमान में पानी 2982.23 मिलियन क्यूबिक मीटर है।

राणा प्रताप सागर बांध के सहायक अभियंता हरीश तिवाड़ी का कहना है कि मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित चंबल नदी के सबसे बड़े बांध गांधी सागर बांध का लेवल कम किया गया था। इसके चलते वहां से पानी डिस्चार्ज गर्मी के सीजन में हुआ था। राणा प्रताप सागर बांध उस समय खाली था। ऐसे में राणा प्रताप सागर बांध से पानी छोड़ने की जगह उसे स्टोर कर लिया गया। राणा प्रताप सागर बांध का लेवल बढ़ गया है। साल 2024 में 20 जून के दिन वहां पर फुल कैपेसिटी 2904.85 की एवज में 1982.86 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी था। यह बीते साल करीब 68 फीसदी बारिश के सीजन की शुरुआत में भरा हुआ था। जबकि इस साल 2025 में यह 97 फीसदी भरा हुआ है। वर्तमान में इसमें 2819.63 एमसीएम पानी है। इसी दिन गेट से पानी डिस्चार्ज पहली बार पिछले साल हुआ था। जबकि इस बार ऐसी स्थिति नहीं है। राणा प्रताप सागर बांध में 85 एमसीएम पानी आने के बाद यह फूल हो जाएगा। ऐसे में इस बार पूरी उम्मीद है कि जून महीने में ही डैम से पानी डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। जबकि मशीन डिस्चार्ज शुरू हो गया है।

सहायक अभियंता हरीश तिवाड़ी के मुताबिक राणा प्रताप सागर बांध में ज्यादातर पानी की आवक गांधी सागर बांध के पानी छोड़ने से होती है। इस बार गांधी सागर बांध बीते साल की अपेक्षा इस बार ज्यादा खाली है। बीते साल वहां कैपेसिटी 7164.94 एमसीएम की तुलना में 58 फीसदी यानी 4173.85 एमसीएम पानी था। इस बार यह पानी महज 46.87 फीसदी यानी 3358.25 है। ऐसे में गांधी सागर बांध को भरने में काफी ज्यादा समय लगेगा लेकिन आरपीएस डैम के कैचमेंट एरिया में होने वाली बारिश के पानी को तुरंत निकालना पड़ेगा। जवाहर सागर बांध के केसमेंट एरिया में ब्राह्मणी नदी का भी पानी आता है। यह शुरुआत में हजारों क्यूसेक होता है और बाद में बढ़कर लाख क्यूसेक ऊपर भी चला जाता है। ऐसे में लगातार निकासी भी होगी। कोटा बैराज की कुल क्षमता 112 मिलियन क्यूबिक मीटर के आसपास ही है। जबकि जवाहर सागर डैम की क्षमता 67.12 एमसीएम है। जबकि राणा प्रताप सागर बांध इन दोनों डैम की क्षमता से 16 गुना ज्यादा बड़ा है। ऐसे में राणा प्रताप सागर बांध से पानी की निकासी होने पर इन दोनों डैम से तत्काल निकासी की जाती है क्योंकि इनमें पानी को स्टोर ज्यादा नहीं किया जा सकता है।

कोटा बैराज से छोड़ा पानी : सहायक अभियंता निकिता पारेता ने बताया कि बारिश के सीजन को देखते हुए फ्लड सेल जल संसाधन विभाग ने चालू कर दी है। इसके जरिए हर घंटे डैम और उनके पानी की आवक व डिस्चार्ज की रिपोर्ट ली जा रही है। इसे 24 घंटे जिला कलेक्टर और जयपुर मुख्यालय को अपडेट भी कराया जाता है ताकि पानी डिस्चार्ज होने पर नीचे अलर्ट जारी हो सकें। राणा प्रताप सागर बांध में 12167 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। मशीन के जरिए 1790 क्यूसेक डिस्चार्ज किया जा रहा है। जबकि जवाहर सागर बांध से 3800 क्यूसेक पानी आ रहा है जिसमें ब्राह्मणी नदी का पानी भी है। यहां से मशीन डिस्चार्ज किया जा रहा है। इसी तरह से कोटा बैराज से दो गेट खोलकर 6500 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। जिसमें एक गेट 3 फीट और दूसरा 5 फीट खोला गया है।

सरकारी कर्मचारी का संदिग्ध हालत में शव मिला

- **प्रथमदृष्टया आशंका जताई जा रही है कि किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन किया हो**
- **मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा, पुलिस ने जांच शुरु की**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में बीती शाम एक सरकारी कर्मचारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पेड़ के नीचे मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 49 वर्षीय विष्णु पारीक पुत्र सत्यनारायण पारीक, निवासी रायपुर के रूप में हुई है। वे वर्तमान में भीलवाड़ा में राजकीय सेवा में कार्यरत थे।

सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह विष्णु पारीक अपनी स्कूटी लेकर कार्यालय के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक जब वे घर नहीं लौटे, तो परिजन चिंतित हो उठे। इसी दौरान हरिपुरा-भगवानपुरा मार्ग पर राहगीरों की नजर सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे अचेत अवस्था में पड़े व्यक्ति पर पड़ी। उन्होंने तुरंत मांडल उपजिला चिकित्सालय में सूचना दी, जहां विष्णु पारीक को लाया गया। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। परिजनों को भी सूचना दी गई, जो मौके पर पहुंच गए।

मृतक के चेहरे पर विशेष रूप से आंखों के नीचे नीले निशान और मुंह से खून निकलने के लक्षण देखे गए हैं, जिससे प्रथमदृष्टया आशंका जताई जा रही है कि विष्णु पारीक ने किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन किया हो। हालांकि, मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, इस घटना से इलाके में शोक और भय का माहौल है। लोगों में इस बात को लेकर चर्चाएं हैं कि आखिर विष्णु पारीक की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। परिजन भी स्तब्ध हैं और उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मांडल थाना प्रभारी विक्रम सिंह शेरावत ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि घटना से जुड़े कोई सुराग मिल सके। राजकीय कर्मचारी विष्णु पारीक की अचानक हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस मामले को हर एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह मामला आत्महत्या का है, दुर्घटना का या किसी साजिश का। उनकी मौत से परिवार और समाज में शोक की लहर है।

कार्यालय नगरपरिषद, जालोर (राजस्थान)

क्रमांक : नपजा/स्टोर/2025/ई-निविदा/1794 दिनाक :- 12.06.2025

:: ई-निविदा सूचना सं. 02/2025-26 ::

नगरपरिषद, जालोर क्षैत्र में **Maintenance Of Led Street Lights And Road Light Lines In Municipal Coucil (Ulb) Area (Including Material &Amp Manpower/Labour)** कार्य के लिए माल एवं सेवाओं के उपापन के लिए दर संविदा वित्तीय वर्ष 2025-26 (31.03.2026) के लिए कार्य दर (रेट कोन्टेक्ट) हेतु विभिन्न फर्मो, ठेकेदारों, अधिकृत डिलरों से एतदद्वारा मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है-

NIB CODE :- DLB2526A2387

आयुक्त
नगर परिषद, जालोर

राज.संवाद/सी/25/4527

टेम्पो ट्रक से 1183 किलो घी व वेज फेट जब्त

- **पाली जिले के विभिन्न गांवों में दुकान व प्रतिष्ठानों पर विक्रय हेतु जा रहा था घी**
- **खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा तेज बारिश के बावजूद देर रात 12 बजे तक कार्रवाई की**

पाली, (नि.सं.)। जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुये आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच गुईटे के दिशा निर्देश पर पाली जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल व खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में मिलावटी घी की सूचना पर देर रात को दबिश देकर नेशनल हाइवे-14 पर जाडन के समीप टेम्पो ट्रक से 1183 किलो घी व वेज फेट जब्त किया गया।

सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा तेज गती से चल रहे टेम्पो ट्रक का पीछा कर उसे जाडन पेट्रोल पम्प पर रूकवाया गया, जिसकी जांच करने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा को बिना बिल के विक्रय होने जा रहे घी का मिलावटी होने का संदेह हुआ जिस पर विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुये चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की आर्दश प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जाडन पर टेम्पो ट्रक में भरे माल को खाली करवाया गया। एफएसओ द्वारा टेम्पो ट्रक के चालक शक्ति सिंह रावत से पूछतात करने पर बताया कि श्री श्याम फुड प्रोडेक्ट अजमेर के निर्माण एवं उत्पादक इकाई से घी व वेज फेट टेम्पो ट्रक में भरवाया गया, जो पाली जिले के विभिन्न गावों में दुकान व प्रतिष्ठानों पर विक्रय हेतु जा रहा था। मामले को गम्भीरता से लेते हुये खाद्य सुरक्षा अधिकारी व सीएमएचओ ने जब्त सभी खाद्य पदार्थ को सीज कर उनके सेम्पल लिये। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल के साथ फुड सैफ्टी टैक्निशियन खुशाल चन्द सैन, ऑपरेटर ओम प्रकाश प्रजापत, लक्ष्मणदान चारण उपस्थित रहे।

डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि राज्य सरकार के शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत मिलावट के रोकथाम पर कार्रवाई करते हुये टेम्पो ट्रक से 6 ब्रांड के घी व वेज फेट जब्त किये इनमे घी ब्रांड सरल, नमस्ते कृष्णा, श्री राजंवशी सुपर सारथी घी, सरल के 15 किलो टीन व वेज फेट डेयरी सरस रिफायड पॉम ऑयल सारस कुंकीग मीडियम ऑयल सहित आधा लीटर एक लीटर व पांच लीटर घी की सामग्री को सीज किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधीकरण द्वारा बनाये गये खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 विनियम 2011 कानून के तहत खाद्य पदार्थों में मिलावट का संदेह होने होने पर अजमेर के सराधना स्थित श्री श्याम फूड प्रोडेक्टस निर्माण एवं उत्पादक इकाई द्वारा बाजार में विक्रय के लिए जाने वाले घी पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा तेज बारीश के बावजूद देर रात 12 बजे तक कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

तकनीकी समस्या के चलते मुंबई से जोधपुर आने वाली फ्लाइट रद्द

एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 645 को तकनीकी समस्या के चलते रद्द करना पड़ा

- **यात्रियों ने एयर इंडिया की ओर से समुचित जानकारी और वैकल्पिक व्यवस्था नहीं मिलने की शिकायत एयरपोर्ट प्रशासन और एयर इंडिया अधिकारी से की, रिफंड जल्द उपलब्ध कराने की मांग की, यात्रियों ने नाराजगी जताई**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर आने वाले यात्रियों के लिए शुक्रवार की सुबह निराशाजनक रही, जब एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 645 को तकनीकी समस्या के चलते रद्द करना पड़ा। यह फ्लाइट मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह 9.15 बजे उड़ान भरने वाली थी और इसे जोधपुर में सुबह 11.05 बजे लैंड करना था लेकिन उड़ान से कुछ देर पहले ही एयरलाइंस को विमान में तकनीकी खराबी की सूचना मिली। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एयर इंडिया प्रबंधन ने तत्काल उड़ान रद्द करने का निर्णय लिया।

इस फैसले के बाद यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर उन्हें जिनको जरूरी कार्यों के लिए यात्रा करनी थी। फ्लाइट के रद्द होने की जानकारी यात्रियों को अंतिम समय में मोबाइल मैसेज के माध्यम से दी गई, जिससे कई यात्री असमंजस की स्थिति में आ गए। कुछ यात्री पहले से एयरपोर्ट पहुंच चुके थे, जिनमें वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। उन्हें वैकल्पिक उड़ान की तलाश करनी पड़ी या फिर अन्य माध्यमों से यात्रा के लिए रवाना हुए।

यात्रियों ने एयर इंडिया की ओर से समुचित जानकारी और वैकल्पिक व्यवस्था नहीं मिलने की शिकायत एयरपोर्ट प्रशासन और एयर इंडिया अधिकारी से की।

यात्रियों ने एयर इंडिया से वैकल्पिक उड़ान की सुविधा या पूरा रिफंड जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की मांग की है। कई यात्रियों का कहना है कि उन्हें न तो काउंटर पर सही जानकारी मिल पाई और न ही हेल्पलाइन से कोई संतोषजनक जवाब मिला। कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी जाहिर की और एयरलाइन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-चित्तौडगढ

क्रमांक-टी.एस./2025-26/डी-632 दिनांक-07.06.2025

NOTICE INVITING BID - 11/2025-26

Bids for Construction of Atal Pragati Path Satpura Road to Retuliya Chowk (Ghosunda) in Division Chittorgarh Procurement are invited from interested Bidders upto 6.00 PM of 23.06.2025 Other particulars of the Bid may be visited on the Procurement Portal (http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state website. The approximate value of the Procurement in Rs. 15797033.00

NIB CODE-PWD2526A1182
UBN No.-PWD2526WSOB04031

DIPR/C/7858/2025

Executive Engineer
PWD Dn. Chittorgarh

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मालपुरा

क्रमांक : 420 दिनांक : 9-6-2025

निविदा सूचना संख्याः 08/2025-26 खण्ड मालपुरा

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड मालपुरा में सडक/ भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code	PWD2526A1187	6	PWD2526WSRC04064
1	PWD2526WLOB04051	7	PWD2526WSRC04065
2	PWD2526WSOB04053	8	PWD2526WSRC04066
3	PWD2526WSOB04057	9	PWD2526WSRC04067
4	PWD2526WSRC04062	10	PWD2526WSRC04068
5	PWD2526WSRC04063	11	PWD2526WSRC04069

DIPR/C/7797/2025 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड मालपुरा

ENGINEERING COLLEGE BHARATPUR HOSTEL
(A Constituent College of Rajasthan Technical University, Kota)
Village-Shyorana, Near Sewar & National Highway-11, Bharatpur

क्रमांक : GECBH/HOSTEL/2025-26/11 दिनांक : 19.06.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

अभियांत्रिकी महाविद्यालय भरतपुर के छात्रावासों में मैस संचालन मय खाद्य सामग्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी विस्तृत जानकारी के लिए महाविद्यालय की बेवसाइट www.ecbharatpur.ac.in एवं कार्यदिवस पर महाविद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

-प्राचार्य

आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

क्रमांक-डीपीएम/सीसी/मप्रकृप्रौविवि/निविदा-01/2025-26/6095 दिनांक : 20.06.2025

ई-निविदा सूचना-01 (2025-26)

माननीय कुलपति महोदय, म.प्र.कृ.प्रौ.वि.वि. उदयपुर की ओर से कलर प्रिन्टिंग कार्य करने हेतु (अनुमानित लागत रू. 20 लाख), मुहरबन्द निविदाएँ आंमत्रित की जाती है। समस्त शर्ते एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov. in, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.mpuat.ac.in पर देखा जा सकता हैं।

UBN No. ATU2526SLRC00109 निदेशक, आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 742 Date: 13-06-2025

NOTICE INVITING BID
NIB No 14/2025-26

Bids for Gabian stracture work Project PMKSY2.0 Block - Mandrail of estimated value INR 224.17 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 23-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2526A0304
UBN NO- WSC2526WSRC00504

Superitending Engineer
and Project Manger
WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/8227/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक-एफ( )/निविदा/2025-26/628 दिनांक-11.06.2025

NOTCE INVITING BID NIT NO 05/2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY 2.0 project area in Ahore of estimated Value INR 27.99 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 24-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp. rajasthan.gov.in) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-05/ 2025-26	Open Air Gym, Tine shed & Stage in play Ground and balvatika (Ahore)	WSC2526 A0287	WSC2526 WSRC00483

(Laxman Singh Sandu) SE &
PMWCDC, ZILA PARISHAD JALORE
DDO CODE NO. 28606

DIPR/C/8207/2025

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 739 Date: 12-06-2025

NOTICE INVITING BID
NIB No 13/2025-26

Bids for Talab, talai, Periferal band work Project PMKSY2.0 Block - Mandrail of estimated value INR 68.50 Lacs [01 Package) are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 22-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC 2526 A0294
UBN NO- WSC, 2526 WSRC00491

Superitending Engineer
and Project Manger
WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/8123/2025

इंग्लिश मीडियम स्कूलों को 10 महीने बाद भी शिक्षक नहीं मिले

- **आक्रोशित शिक्षकों माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में विरोध प्रदर्शन किया**

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में ऑनलाइन आवेदन के बाद अभ्यर्थियों को सीटों का आवंटन हो गया है। पिछले साल 25 अगस्त को हुई परीक्षा में सिलेक्ट हुए शिक्षकों को अभी तक इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पोस्टिंग नहीं मिली है। पदस्थापन में विलंब से शिक्षकों में नाराजगी है।

आक्रोशित शिक्षकों माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षक संघ एलिमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद के नेतृत्व में शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के मुख्य प्रशासनिक भवन पर प्रदर्शन करके स्टाफ ऑफिसर डॉ. अशोक कुमार शर्मा, उप निदेशक (प्रशासन) वीणा सोलंकी को मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में जल्द पदस्थापन की प्रक्रिया शुरू करने, शिक्षा विभाग में तबादलों के लिए स्थाई तबादला नीति बनाने, तीन सत्रों की वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता की बकाया पदोन्नति व अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक की बकाया सभी सत्रों पदोन्नति अतिशीघ्र करवाने व समग्र शिक्षा के कार्यालय के 1382 पदों के लिए इंटरव्यू का परिणाम जल्द जारी करने से संबंधित मांग शामिल हैं। उधर, शिक्षक संघ रेसला के प्रदेशाध्यक्ष गिरधारी गोदारा के नेतृत्व में भी शिक्षकों ने माध्यमिक शिक्षा निदेशालय पर विरोध प्रदर्शन कर अंग्रेजी माध्यम में स्कूलों में चयनित शिक्षकों को जल्द से जल्द पोस्टिंग देने की मांग की। वार्ता में सहमति नहीं बनने पर शिक्षक संघ रेसला ने शिक्षा निदेशालय पर अनिश्चितकालीन धरना लगाने का निर्णय लिया है।

जोधपुर में डॉक्टर्स का पूर्ण कार्य बहिष्कार

जोधपुर, (कासं)। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के फार्मेसी विभाग के रेजिडेंट डॉ. राकेश विश्नोई के 13 जून को सेल्फाश खाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सातवें दिन शुक्रवार को भी नहीं सुलझ पाया। जयपुर के एसएमएस अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन जारी है। साथ ही अब जोधपुर में डॉक्टर्स ने पूर्ण कार्य का बहिष्कार आज से कर दिया। मामले में अभी तक डॉ. एसएन. मेडिकल कॉलेज प्रशासन और सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होने से जोधपुर में रेजिडेंट डाक्टर्स भी हड़ताल पर उतर गए हैं। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष हीरालाल और महासचिव रंजीत चौधरी आपात स्थिति में सेवाएं दे रहे हैं। रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. राकेश विश्नोई के आत्महत्या प्रकरण में न्याय की मांग को लेकर जोधपुर रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसियेशन जोधपुर से जुड़े करीब पांच छह सौ डॉक्टर्स हड़ताल पर उतर गए हैं।

रिश्वत मांगने के मामले में मोकलसर सरपंच निलंबित

- **एबीसी ने 10 हजार की रिश्वत लेते ट्रेप किया था**
- **निलंबन अवधि के दौरान किसी भी पंचायत कार्य या कार्रवाई में भाग नहीं ले सकेगा सरपंच**

सूरतगढ़, (निसं)। उपखंड की ग्राम पंचायत मोकलसर के सरपंच गणेशाराम गोदारा को प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि स्वीकृत करने के बदले रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम 1994 की धारा 38(4) के तहत की गई है। निलंबन आदेश अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उप सचिव इन्द्रजीत सिंह ने जारी किया।

मामले की शिकायत मोकलसर के वार्ड नंबर पांच के निवासी गणेशाराम कुम्हार ने दर्ज करवाई थी। शिकायत में कहा गया था कि सरपंच गणेशाराम गोदारा ने उनके पिता गोविंदराम कुम्हार से प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति के लिए 12,000 की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के अनुसार 24 मई 2025 को सरपंच ने 10,000 नकद ले लिए थे। इस मामले को एसीबी ने गंभीरता से लिया और सरपंच को कर्तव्यों में लापरवाही और अपकीर्तिकर आचरण का दोषी पाया। जिसके बाद उसे रंगे हाथ ट्रेप करने के लिए जाल बिछाया गया और कार्रवाई को अंजाम देते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। निलंबन के बाद सरपंच को आरोप पत्र जारी किया गया है और वे निलंबन अवधि के दौरान किसी भी पंचायत कार्य या कार्रवाई में भाग नहीं ले सकेंगे।

एसीबी की हनुमानगढ़ और बीकानेर की टीमों ने 24 मई को बड़ी कार्रवाई अंजाम देते हुए सूरतगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मोकलसर के सरपंच गणेशाराम गोदारा को 10,000 रुपए रिश्वत लेते पुराना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित आवास से रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

एसीबी के महानिदेशक के मुताबिक एबीसी हनुमानगढ़ चौकी को शिकायत मिली थी कि मोकलसर सरपंच गणेशाराम गोदारा पंचायत क्षेत्र के निवासी परिवादी के पिता के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि स्वीकृत करवाने के बदले 12,000 रुपए रिश्वत मांग रहा था। शिकायत की सत्यता जांचने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और सरपंच गणेशाराम को 10,000 रुपए रिश्वत लेते मौके पर गिरफ्तार किया था।

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32(B) (Model Shop)EX/L/2025-26-05066/170 दिनांकः 18.06.2025

मॉडल शॉप्स (Model Shops) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा कमांक प.4 (1) वित्त/आब/2025 दिनांक 29 जनवरी, 2025 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 के प्रावधानानुसार मॉडल शॉप्स की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	07-07-2025	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रकियानुसार दिनांक 20.06.2025 प्रातः 11.00 बजे से एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर ""Citizen"" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रू. 10,000 के गुणांक मे बढाकर बोली लगानी होगी।
4. राज्य में शहरीय क्षेत्र जयपुर शहर में 05, जोधपुर में 02, उदयपुर में 02, माउन्ट आबू व आबूरोड एवं अन्य शहरों में एक-एक मॉडल शॉप आवंटित की जायेगी।
5. मॉडल शॉप की न्यूनतम रिजर्व प्राईस जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, माउन्ट आबू तथा आबूरोड के लिये राशि रूपये 1 करोड प्रति मॉडल शॉप तथा अन्य शहरों के लिये राशि रूपये 50 लाख प्रति मॉडल शॉप निर्धारित है।
6. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस / पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
7. ऑनलाईन नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने हेतु प्रति मॉडल शॉप का आवेदन शुल्क रूपये 50,000/- निर्धारित है, जो की अप्रतिदेय (Non-refundable) होगा।
8. मॉडल शॉप्स का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
9. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मॉडल शॉप का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेंगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नहीं ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
10. प्रत्येक मॉडल शॉप के लिये ऑनलाईन नीलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी
11. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तो, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है के अनुसार जमा करानी होगी।
12. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, स्वीकृत वार्षिक गारंटी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि खारिज की जायेगी।
13. वर्ष 2025-26 के पात्र अनुज्ञधारियों को वर्ष क्रमशः 2026-27, 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तो पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
14. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29, समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तो का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
15. मॉडल शॉप के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
16. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगे।

(शिवप्रसाद नकातें)
आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/8151/2025

आर.पी.एस.सी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के खिलाफ चलेगा ट्रायल

एसओजी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में पेश की अभियोजन स्वीकृति की प्रति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में एसओजी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति की प्रति पेश की।

कटारा को एसओजी ने 18 अप्रेल 2024 को गिरफ्तार किया था। कटारा पर आरोप है कि वह आयोग से पेपर अपने घर ले गया था। वहां उसने अपने भांजे विजय डामोर की मदद से पेपर को रजिस्टर में उतारा। बाद में पेपर 60 लाख में सरगना अनिल मीणा को बेच दिया। मीणा ने 80 लाख में पेपर भूपेन्द्र सारण को बेच दिया। एसओजी ने कटारा सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। बाद में ईडी की ओर से प्रकरण दर्ज करने पर मामले को सुनवाई के लिए ईडी कोर्ट भेजा गया। लेकिन अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलने के कारण मामले में कटारा के खिलाफ ट्रायल नहीं चल पा रहा था। लेकिन सरकार ने कुछ दिन पहले ही कटारा के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने की अनुमति दी थी।

चलती बस में पेपर हल करवा रहे थे

पेपरलीक के सरगना चलती बस में अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले पेपर हल करवा रहे थे। लेकिन उदयपुर जिले के बेकरिया थाना पुलिस ने 24 दिसम्बर 2022 को इस बस को पकड़ा था। बस में द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के 49 अभ्यर्थी परीक्षा से पहले पेपर हल कर रहे थे। इसके बाद पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। एसओजी के अनुसार कटारा को इस परीक्षा के पेपर और उत्तर कुंजी तैयार करने का दायित्व मिला था। लेकिन उसने पेपरलीक कर दिया। कटारा के घर से 51.20 लाख रुपए नकद व 541 ग्राम सोने के 9 आभूषण बरामद हुए थे।

30 जून को होगी मामले की सुनवाई

एसओजी की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर आरोपी के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने वाले कार्मिक विभाग के अधिकारी को भी अभियोजन पक्ष का गवाह बनाने की अनुमति मांगी हैं। अदालत मामले में तीस जून को सुनवाई करेगी।

पुलिसकर्मियों ने किया योगाभ्यास

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह में शुक्रवार को पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने योगाभ्यास किया।पुलिस कमिश्नरेट में ब्रह्मकुमारीज संस्थान के योग प्रशिक्षकों ने योगाभ्यास करवाया। योगाभ्यास को बढावा देने के लिए पुलिसकर्मियों को योगाभ्यास करवाकर मानसिक तनाव दूर करने का प्रयास किया गया। योग भारतीय परम्परा एवं संस्कृति की विश्व को अनुपम देन है। प्राचीन भारतीय पद्धितयाँ शारीरिक, मानसिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को लेकर हमारी सभी की आवश्यकताओं का सम्पूर्ण जवाब है। पुलिसकर्मियों में विषम परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर शारीरिक एवं मानसिक तनाव को दूर करने में योगाभ्यास की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) देवेन्द्र कुमार विश्नोई, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) शिल्पा चौधरी सहित पुलिस अधिकारी व पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

स्व. विजय रूपाणी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को गांधी नगर पहुंचकर गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधीनगर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को गांधीनगर में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने रूपाणी के देहावसान पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पार्षद, मेयर से लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में समर्पित होकर काम किया, जो हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका निधन पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने परम धाम में स्थान देने की प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। प्रार्थना सभा में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल व गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

शातिर वाहन चोर किशन वर्मा गिरफ्तार

जयपुर। शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर किशन वर्मा को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चुराई गई चार मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित के खिलाफ एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। आरोपी नशे का आदि है नशा करने के लिए चोरी करता है और जहां चुराए गए वाहनों को पेट्रोल खत्म होने पर वही पर छोड कर दूसरा वाहन चोरी कर ले जाता है।

आरोपित ने जयपुर शहर के अन्य थाना इलाके से दर्जनों वाहन चोरी करना कबूल किया है। जो एक माह पूर्व ही जेल से छूटा था और पून: वाहन चोरी की वारदात में लग गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर-सैंकड) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि शास्त्री नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर किशन वर्मा निवासी नाहरी का नाका शास्त्री नगर जयपुर हाल हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से चोरी की गई चार मोटरसाइकिल बरामद की है और वहीं भट्टा बस्ती से चुराई गई एक्टिवा अपने दोस्त शाहरुख एवं मुन्ना निवासी भट्टा बस्ती को देना बताया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

तंबाकू नियंत्रण में राजस्थान रहा देशभर में अव्वल

जयपुर। तंबाकू की लत के खिलाफ छेड़े गए जंग में राजस्थान ने पूरे देश में सबसे प्रभावी प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024-25 की गतिविधियों में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। केंद्र सरकार ने इस सफलता के लिए राजस्थान को 'बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड' से नवाजा है, जो राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तंत्र की संगठित और प्रतिबद्ध कार्यप्रणाली का प्रमाण है।

नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव वी हेकली झिमोमी एवं अतिरिक्त उप महानिदेशक डॉ. एल स्वास्थिचरण द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। राजस्थान की ओर से यह पुरस्कार राज्य नोडल अधिकारी डॉ. एसएन धौलपुरिया, एएसपीओ नरेंद्र सिंह, एवं एसपीओ डॉ. जकारिया चौहान ने प्राप्त किया।

राज्य सरकार की ओर से चलाए गए तंबाकू विरोधी अभियानों में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की सक्रिय भूमिका रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने इस उपलब्धि पर तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े

नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राजस्थान की ओर से यह पुरस्कार राज्य नोडल अधिकारी डॉ. एसएन धौलपुरिया, एएसपीओ नरेंद्र सिंह, एवं एसपीओ डॉ. जकारिया चौहान ने प्राप्त किया।

- राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम में प्रथम स्थान
- केंद्र सरकार ने दिया 'बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड'

समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि, यह सम्मान टीमवर्क, सतत प्रयासों और जन-जागरूकता की सशक्त रणनीति का परिणाम है। उन्होंने बताया कि 24 सितम्बर 2024 को टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत प्रदेश के कोने-कोने में तंबाकू के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता फैलाई गई।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान संस्थान के अंतर्गत 14 हजार 725 जागरूकता कार्यक्रम, 11,850 आईईसी गतिविधियां, कोटपा 2003 की धारा 4 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारियों के द्वारा 40,232 चालान कार्यवाही, धारा 6 (ए) के अंतर्गत 4020 चालान कार्यवाही, धारा 6 (ब) के अंतर्गत 1123 चलान कार्यवाही की गई। साथ ही, तम्बाकू मुक्ति की दिशा में 15,765 व्यक्तियों की काउन्सलिंग तथा 7539 का उपचार किया गया। टोबैको फ्री यूथ कैंपेन के अंतर्गत तंबाकू से जुड़ी गलत धारणाओं को तोड़ने और युवाओं को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए व्यापक कार्यशालाएं, पेंटिंग प्रतियोगिताएं, डिजिटल प्रचार और ग्राम स्तर पर नोडल वालंटियर्स की नियुक्ति की गई।

नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म

जयपुर। नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर परिचित युवक द्वारा कार में एक महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर गाली-गलौच कर मारपीट की। भांकरोटा थाने में पीड़ित महिला ने आरोपी परिचित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच थानाधिकारी मनीष गुप्ता कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि भांकरोटा इलाके में रहने वाली महिला ने मामला दर्ज करवाया कि परिचित होने के कारण आरोपी से उसकी बातचीत थी। आरोप है कि भांकरोटा जाने के दौरान उसे आरोपी परिचित मिला। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसके अपनी कार में बैठा लिया। कार में बैठाकर आरोपी परिचित ने उसे कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए ऑफर की। कोल्ड ड्रिंक में नशा मिला होने के कारण बेहोशी छाने लगी। बेहोशी की हालत में आरोपी ने कार में ही उसके साथ रेप किया।

ऑनलाइन ठगी के आरोपियों को जश्न नहीं मनाने की शर्त पर जमानत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने ऑनलाइन ठगी के आरोप में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे दो आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों आरोपियों पर शर्त लगाई है कि वे जमानत पर रिहा होने के बाद सार्वजनिक रूप से जश्न नहीं मनाएंगे।

अदालत ने कहा कि, यदि आरोपी सार्वजनिक रूप से जश्न करते मिले तो राज्य सरकार उनकी जमानत को रद्द कराने के लिए याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस गणेश राम मीणा की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश सौरभ और सौरभ गोस्वामी की जमानत याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिकाओं में अदालत को बताया गया कि प्रकरण में आरोपियों को झूठा फंसाया है। याचिकाकर्ता बीते 25 मार्च से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं। पुलिस ने प्रकरण में विस्तृत जांच कर आरोप पत्र भी संबंधित अदालत में पेश कर दिया है। जिसकी सुनवाई पूरी होने में समय लगने की संभावना है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ताओं पर ऑनलाइन ठगी करने का गंभीर आरोप है। इसके साथ ही अदालत के सामने आया कि यदि आरोपियों को जमानत दी गई तो ये सार्वजनिक रूप से अपनी रिहाई का जश्न मनाएंगे। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश देते हुए उन्हें सार्वजनिक रूप से जश्न नहीं मनाने को कहा है। गौरतलब है कि करौली निवासी इन आरोपियों पर गत मार्च माह में स्थानीय थाने में ऑनलाइन ठगी का मामला दर्ज कराया गया था।

'स्वस्थ तन-मन के लिए योग जरूरी'

- योग हजारों सालों से चली आ रही हमारी संस्कृति है : बागड़े

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को सेंट्रल पार्क में स्वयं योग करके आम जन को योग क्रियाएं करवाई। उन्होंने युवाओं और 50 वर्ष के ऊपर के लोगों के लिए योग और गति से जुड़ी विभिन्न शारीरिक मुद्राओं का प्रदर्शन कर प्रतिदिन इन्हें कर स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि योग हजारों साल से चली आ रही हमारी संस्कृति है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून को इसलिए चुना गया की वर्ष के 365 दिन में यह सबसे बड़ा दिन होता है। उन्होंने कहा कि मूलत: योग भारत का हैं। महर्षि पतंजलि ने इसकी शुरुआत की। जो योग नियमित करता है, वह जीवन पर्यंत स्वस्थ रहता है और उसकी आयु बढ़ती है।

राज्यपाल ने शुक्रवार को सेंट्रल पार्क में राजस्थान कॉपरेटिव फेडरेशन, सरस डेयरी द्वारा आयोजित सामूहिक योग एवं स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम में भाग लेने के साथ ही योग शिक्षकों, कलाकारों और योग शिक्षण से जुड़े प्रतिभावान बच्चों को प्रशस्ति पत्र और अपनी ओर से नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर उद्योग, खेल एवं युवा मामले विभाग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि योग मन, बुद्धि और शरीर की एकता स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लगातार काम करते हैं और इसकी प्रेरणा योग को बताते हैं। उन्होंने कहा कि भागमभाग की इस जिंदगी में योग से ही स्वस्थ रहा जा सकता है।

विधायक गोपाल शर्मा ने योग की भारतीय परंपरा और योगेश्वर श्री कृष्ण की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सीमा पर आतंकवाद के ठिकाने नष्ट करने को महती बताते हुए कहा कि यह भी योग से संभव हुआ।

आरंभ में महाप्रबंधक श्रुति भारद्वाज ने स्वागत उद्बोधन में सरस की गतिविधियों और योग संस्कृति के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। सरस डेयरी के अध्यक्ष ओमप्रकाश पुनिया भी उपस्थित रहे। इससे पहले तन्मय सिंह राव और अंकुश ने दुर्लभ योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। डॉ. महेंद्र सिंह राव के नेतृत्व में लोगों ने सामूहिक योग, व्यायाम भी किया।

सी.ए.जी. द्वारा गठित 'वर्किंग ग्रुप' में आई.ए.एस. संदीप वर्मा भी शामिल

आई.ए.एस. संदीप वर्मा

- यह 7 सदस्यीय समूह सार्वजनिक खरीद की व्यवस्था में सुधार लाने और इसकी ऑडिट में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए काम करेगा
- राजस्थान कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा, पूरे देश में इकलौते आई.ए.एस.अफसर हैं, जो इस समूह का हिस्सा बने हैं।

जयपुर। भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) ने सार्वजनिक खरीद की व्यवस्था में सुधार लाने और इसकी ऑडिट में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सभी पक्षकारों के साथ मिलकर एक वर्किंग ग्रुप का गठन किया है। इस समूह में पूरे देश में सिर्फ राजस्थान कैडर के वरिष्ठ आई.ए.एस. और अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा को शामिल किया गया है।

गौरतलब है कि इस सात सदस्यीय समूह में अतिरिक्त उप नियंत्रक व महालेखापरीक्षक (ए.डी.ए.आई) प्रमोद कुमार, राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा, राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लि. के पूर्व सीईओ प्रकाश गौड, नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक पार्थ सारथी रेड्डी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सी.ई. शैलेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम के सीएफओ पी.के.अग्रवाल, आर्थिक सलाहकार के. सुब्रमण्यम शामिल होंगे।

यह समूह सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया के मौजूदा नियम-कायदों के अभाव अथवा ऑडिट के दौरान पाई गई खामियों को अंगीकृत करेंगे, ताकि सरकार उन्हें दुरुस्त कर सके। क्या खरीद होनी चाहिए और किस प्रकार से होनी चाहिए, इस बारे में भी सही सलाह और सिफारिश भी पेश करेंगे। अंकेक्षण (ऑडिट) के दौरान दुनियाभर में अपनाई जा रही सर्वोत्तम नीत्तियों अथवा प्रथाओं को सी.ए.जी. के ऑडिटर्स की ट्रेनिंग में भी लागू करने का सुझाव देंगे। यह ग्रुप प्रत्येक 3माह में एक बार रिव्यू मीटिंग बुलायेगा।

दो लोगों से 7 लाख रुपए की साइबर ठगी

जयपुर। शहर में दो अलग-अलग थाना इलाके में दो लोगों से सात लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है। जवाहर नगर थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवक के खाते से पांच लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस के अनुसार जवाहर नगर निवासी नानकराम ने मामला दर्ज करवाया कि साइबर ठगों ने उसके खाते से पांच लाख रुपए निकाल लिए। यह ठगी 19 जून को हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया कि ठगों ने उसके मोबाइल को हैक किया था और फिर उसके खाते से यह राशि निकाल ली गई। दूसरी घटना में करधनी थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवक के फोन पे एप को हैक कर उसके खाते से 2 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस के अनुसार निवारू एनक्लेव आर्मी कैम्प निवासी धन्नजंय कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि किसी ने उसके फोन पे एप को हैक कर लिया और फिर उसके खाते से ऑनलाइन दो लाख रुपए निकाल लिए गए।

राजधानी जयपुर में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन झमाझम बारिश हुई। करीब एक घंटे की तेज बारिश ने शहर की सड़कों को दरिया में तब्दील कर दिया, जिससे वहां वाहन चालकों और राहगीरों को आवाजाही में काफी परेशानी उठानी पडी।

खान विभाग ने ढाई माह में सर्वाधिक 1670 करोड़ रुपए राजस्व कमाया

मुख्यमंत्री भजन लाल के नेतृत्व में खनिज खोज में ए.आई. के उपयोग का पायलट प्रोजेक्ट

जयपुर। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 17 जून तक 1670 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित हुआ है, जो इसी अवधि का अब तक का सर्वाधिक राजस्व है।

उन्होंने विभागीय गतिविधियों में पारदर्शिता लाने की दिशा में आगे कदम बढ़ाते हुए माइनिंग से जुड़ी सभी एप्लीकेशंस को ऑनलाईन करने के निर्देश दिए हैं ताकि किसी को भी कार्य विशेष के लिए विभाग के कार्यालयों में अनावश्यक नहीं आना पड़े। शुक्रवार को प्रमुख सचिव टी. रविकान्त उदयपुर खनिज भवन में हाईब्रिड मोड पर विभागीय अधिकारियों की बैठक ले रहे थे।

उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा माइनिंग प्लान के ऑन लाईन अनुमोदन की व्यवस्था कर दी है इसी तरह से लीज इन्फोर्मेशन और डिमाण्ड सिस्टम की संपूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाईन करने से समय व धन की बचत के साथ ही खानधारकों को बड़ी राहत मिलने लगी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन में अब पायलट आधार पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग सिस्टम का उपयोग मिनरल एक्सप्लोरेशन के लिए शुरु किया जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के परिणामां का विश्लेषण कर इसे और अधिक विस्तारित किया जाएगा।

इसी तरह से डीएमएफटी को और अधिक व्यावहारिक बनाते हुए खनन प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य, षिक्षा, कौषल विकास, महिला बाल विकास सहित सीधे आम आदमी से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी है।

खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने शुक्रवार को उदयपुर के खनिज भवन में हाईब्रिड मोड पर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

रविकान्त ने खनिज प्लाट और ब्लॉक तैयार करने के डेलिनियेशन व अन्य कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने के साथ ही माइनिंग व जियोलोजी विंग में बेहतर समन्वय पर जोर दिया ताकि अधिक से अधिक माइनर व मेजर मिनरल के ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन किया जा सके। इससे माइनिंग सेक्टर में निवेश, रोजगार और राजस्व की बढ़ोतरी तो होगी ही साथ ही अवैध खनन पर भी रोक लग सकेगी। उन्होंने

- सभी एप्लीकेशंस होगी ऑनलाईन- पारदर्शिता, समय व धन की होगी बचत : टी. रविकांत
- अधिक से अधिक मिनरल प्लाटों के डेलिनियेशन कर ऑक्शन पर जोर

पुरानी व करन्ट बकाया राशि की वसूली के और अधिक कारगर प्रयास करने को कहा।निदेशक माइंस दीपक तंवर ने कहा कि अधीक्षण खनि अभियंता स्तर पर राजस्व वसूली, डेलिनियेशन, प्लॉट ऑक्षन, आरसीसी/ईआरसीसी ठेकों की नीलामी व रायल्टी वसूली आदि प्रमुख बिन्दुओं पर नियतकालीन समीक्षा होनी चाहिए।

उन्होंने खान धारक पर सरकारी राजस्व की बकाया ड्यू होते ही उसे जमा कराने का नोटिस चले जाना चाहिए ताकि समय पर राजस्व आ सके।

तंवर ने विश्वास दिलाया कि विभाग द्वारा राज्य सरकार द्वारा तय राजस्व लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने फील्ड अधिकारियों से कहा कि राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय वर्ष के अंतिम महिनों तक प्रतीक्षा करने के स्थान पर निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार प्रतिमाह वसूली की जाये।समीक्षा बैठक में न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों, विधानसंभा के लंबित प्रकरणों, मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव स्तर से प्राप्त पत्रों और अभाव अभियोगों के तयसमय सीमा में निष्पादन के निर्देष दिए गए।

बैठक में संयुक्त सचिव आशु चौधरी, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सुनील वर्मा, जेएलआर गजेन्द्र सिंह, विभाग के अतिरिक्त निदेशक माइनिंग और भूविज्ञान, अधीक्षण खनिज अभियंता, एमई-एएमई व अधीक्षण भूवैज्ञानिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

उत्कृष्ट कार्य करने के लिए चार लोको पायलट का सम्मान

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में संरक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वाले चार रनिंग स्टाफ को मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित कर्मचारियों में दो लोको पायलट एवं दो सहायक लोको पायलट शामिल हैं, जिन्होंने सजगता और तत्परता का परिचय देते हुए संभावित दुर्घटनाओं और गाड़ियों में विलंब की स्थिति को टाल दिया।

जोधपुर में चार रनिंग स्टाफ को मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि 4 जून को ट्रेन संख्या 14661 (जोधपुर-जयपुर) के लोको की जांच के दौरान पायी गयी समस्या को पीसीआर को सूचना देकर सांभर स्टेशन पर रिलीफ इंजन की व्यवस्था करवाई गई। उनकी सजगता से एक सवारी गाड़ी की संभावित तकनीकी विफलता को बचाया गया और यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचाया गया।

इसी प्रकार ट्रेन संख्या 20481 में लोको पायलट शंभूलाल मीणा एवं सहायक लोको पायलट कैलाश चौधरी ने अप लाइन पर ट्रैक पर अवरोध देखा। उन्होंने तुरंत ट्रेन को रोका नियमानुसार कार्यवाही करते हुए संबंधित विभागों को सूचना दी। इस सतर्कता के चलते अन्य ट्रेन को समय रहते स्टेशन पर रोका गया और एक संभावित विलम्ब को टाल दिया गया।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने इन कर्मचारियों के दायित्वबोध, सतर्कता एवं उच्च कार्य नैतिकता की सराहना की तथा कहा कि ऐसे कर्मचारी रेलवे की सुरक्षा प्रणाली की रीढ़ हैं और अन्य स्टाफ के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय मनोहर सिंह और वरिष्ठ मंडल इंजीनियर यांत्रिक जोगेंद्र मीणा भी मौजूद रहे।

योगाभ्यास किया

जोधपुर, (कासं)।डॉ सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर में 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 के उपलक्ष्य में 17जून से 20 जून तक आयोजित योग अनप्लग्ड कार्यक्रम आज सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की। उनके मार्गदर्शन में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज द्वारा पूरे आयोजन को संचालित किया गया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चारों अंगीकृत महाविद्यालय - आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपैथी तथा बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद - एवं संबद्धता प्राप्त एसएलबीएस योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन सत्र में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

जसोलधाम में उच्च शिक्षा का अभ्यास वर्ग संपन्न

बालोतरा जिले के विश्वविख्यात,जसोलधाम में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का आयोजन हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

बालोतरा, (नि.सं.)। बालोतरा जिले के विश्वविख्यात, ऐतिहासिक व आध्यात्मिक धार्मिक स्थल जसोलधाम में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर में राजस्थान राज्य के सभी जिलों से बड़ी संख्या में शिक्षक और शैक्षिक कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल (जसोलधाम) परिसर में आयोजित इस शिविर का शुभारंभ संस्थान अध्यक्ष रावल किशन सिंह जी जसोल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथियों और अतिथि शिक्षकों ने श्री राणीसा भटियाणीसा, श्री बायोसा, श्री सवाईसिंह जी, श्री लाल बन्नासा, श्री खेतलाजी एवं श्री काला-गौरा भैरु जी के मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर दर्शन लाभ अर्जित किया।

शिविर के दौरान संस्थान अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल ने उपस्थित शिक्षकों को रावल श्री मल्लीनाथ जी और श्री राणी रूपादे जी की ऐतिहासिक जीवनी से अवगत करवाया। उन्होंने रावल श्री मल्लीनाथ जी द्वारा सफल लड़े गए ऐतिहासिक युद्धों और उनके योगदान की विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने सनातन संस्कृति के महत्व को समझाते हुए उसके संरक्षण और प्रचार की आवश्यकता पर बल दिया।

रावल किशन सिंह जसोल ने यह भी कहा कि इतिहास की पुस्तकों में जो त्रुटियां आज तक चली आ रही हैं, उन्हें सुधारा जाना चाहिए और इसके लिए उन्होंने मौजूद प्रोफेसरों से सक्रिय भूमिका निभाने का आठाह किया। उन्होंने समाज में सामाजिक समरसता और ऐतिहासिक चेतना को पुनर्स्थापित करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट रूप से आमंत्रित सात प्रमुख प्रोफेसरों को 'महेचा राठौड़ों का इतिहास' पुस्तक भेंट की गई, जिससे राजस्थान की गौरवशाली परंपरा में महेचा राठौड़ों के इतिहास और वंशावली से सभी को परिचित करवाया जा सके।

दो दिवसीय शिविर के आयोजन के दौरान श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल (जसोलधाम) द्वारा सभी प्रतिभागी शिक्षकों एवं प्रोफेसरों के लिए ठहरने, भोजन सहित समुचित व्यवस्थाएं उत्तम स्तर पर की गई। प्रदेशभर से आए शिक्षकों ने संस्थान की सेवा भावना और आयोजन के प्रबंधन की सराहना की।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी शिक्षकों ने भारतीय शिक्षा पद्धित, संस्कृति और इतिहास के संरक्षण में अपने दायित्व को निभाने की प्रतिज्ञा ली।

जानकारी के अनुसार इस अवसर पर महेंद्र कपूर राष्ट्रीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ , प्रोफेसर नारायण लाल गुप्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रोफेसर सुशील कुमार बिस्सु राष्ट्रीय सेवा आयाम प्रमुख, प्रोफेसर दिग्विजय सिंह उत्तर पश्चिम क्षेत्र प्रमुख , प्रोफेसर मनोज बहरबाल अध्यक्ष राजस्थान उच्च शिक्षा), प्रोफेसर रिछपाल सिंह राठौड़ महामंत्री (राजस्थान उच्च शिक्षा) प्रोफेसर दीपक शर्मा संगठन मंत्री राजस्थान उच्च शिक्षा) सहित राजस्थान प्रदेश के सम्पूर्ण जिलों के बड़ी संख्या में शिक्षक और शैक्षिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखंड ज्योति कलश यात्रा कोड़ी ग्राम पहुंची

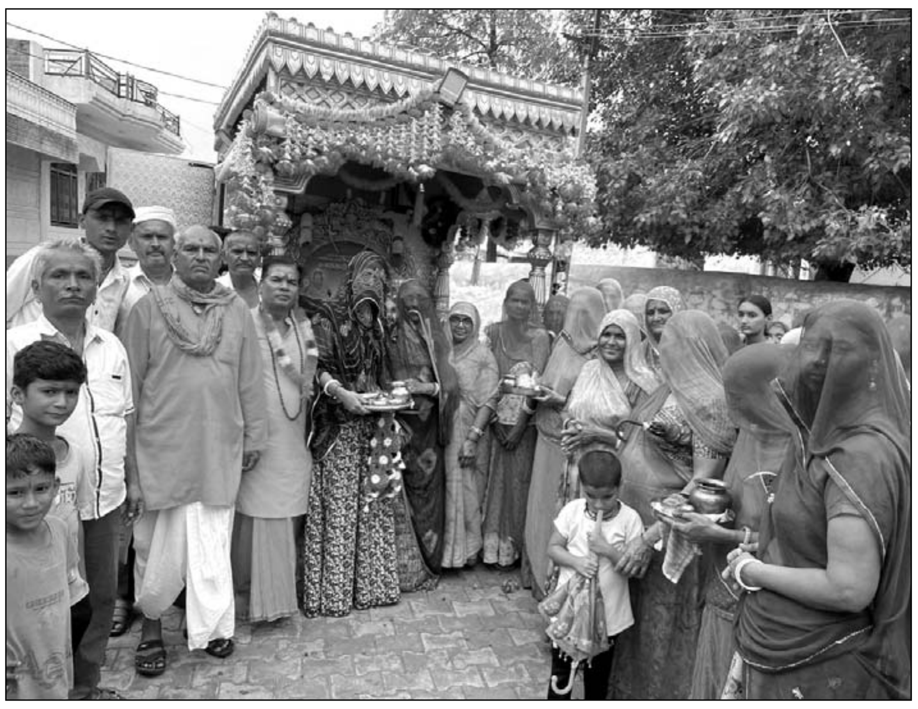

शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में निकली अखंड ज्योति कलश यात्रा कोड़ी गांव एवं आत्मानन्द सेवा संस्थान पहुंची। फोटो-राष्ट्रदूत

भीनमाल, (निसं)। शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में निकली अखंड ज्योति कलश यात्रा शुक्रवार को कोड़ी गांव एवं आत्मानन्द सेवा संस्थान पहुंची। जहां श्रद्धालुजनों ने हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। पूजा-अर्चना के साथ वातावरण मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा।

इस अवसर पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ मार्गदर्शक महेश व्यास ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उज्ज्वल भविष्य की सुनिश्चित संभावनाओं के मध्य, युग परिवर्तन की इस वेला में जो अंधकार मनुष्यता के घरों, मनों, समाजों और अंतरिक्ष तक फैला है - उसे परास्त करने के लिए असंख्य ज्योतियों का एक साथ जलना आवश्यक हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा उद्घोषित दिव्य स्वप्न, साधना और युग निर्माण की ज्योति को जन-जन तक पहुँचाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

जिला समन्वयक सज्जनसिंह दूधवा ने कलश यात्रा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक प्रतीकात्मक रथ यात्रा नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा, उत्साह एवं उमंग से भरे नूतन प्रयासों का संकल्प है, जिसके माध्यम से विश्वमानवता के कल्याण हेतु ब्रह्मबीज बोए जा सकते हैं। उन्होंने आहवान किया कि इन बीजों को पुष्पित करने हेतु हमें जल और प्रकाश के समान सेवा भाव में निरंतर जुटे रहना चाहिए। इस पावन अवसर पर प्रदीप शर्मा, सीमा शर्मा, पूर्णा सोनी, प्रागाराम पुरोहित, अशोक तिवारी, सीमा वैष्णव, पुरुषोत्तम वैष्णव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रार्थना और दीप यज्ञ के साथ हुआ, जिसने समूचे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार कर दिया।

कार्यक्रमों व योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में गुरुवार सायंकाल डीओआईटी परिसर में जिले में आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने 21 जून को जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए समस्त तैयारियाँ पूर्ण रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में जिले से अधिक से अधिक संख्या में नागरिकों की जनसहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वहीं जिले में 24 जून से 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा जिसमें केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा। जिला कलैक्टर डॉ प्रदीप के. गावंडे ने ज़िलें में हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत सघन वृक्षारोपण करवाने के निर्देश दिए तथा उन्होंने कहा कि इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि वृक्षारोपण के पश्चात पौधों की सार संभाल की जाएं।

बैठक में कलैक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे एनएफएसए योजना के तहत लंबित आवेदनों का त्वरित रूप से निस्तारण करें तथा योजना के तहत अधिक से अधिक संख्या में पात्र लोगों को लाभान्वित करें। जिला कलैक्टर ने ब्लॉक स्तर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे फील्ड विजिट एवं जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित रूप से समाधान करें।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेश मेवाड़ा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, उपवन संरक्षक जयदेव सिंह चारण सहित जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वी सी के माध्यम से उपस्थित रहे।

नोटिस जारी

जालोर, (कासं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत चयनित सक्षम व्यक्तियों से नाम पृथक करवाने के लिए 30 जून तक 'गिव-अप अभियान' चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में अब तक 360 अपात्र लाभार्थियों को नोटिस जारी किए गए हैं।

जिला रसद अधिकारी एवं जिला उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी आलोक झरवाल ने बताया कि अभियान के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में 30 जून, 2025 तक सक्षम व्यक्ति स्वेच्छा से नाम नहीं हटवाए जाते हैं तो उनके विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही की जाएगी।

भीमरलाई में श्रमदान किया

बालोतरा, (नि.सं.)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पखवाड़े का ब्लॉक स्तरीय समापन समारोह बालोतरा जिले की ग्राम पंचायत भीमरलाई में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

इस अवसर पर ग्रामीणों और अधिकारियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान किया, जल संरक्षण की शपथ ली, वृक्षारोपण कार्य किया और मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत हुए कार्यों का निरीक्षण भी किया।

समारोह की शुरुआत में, बड़ी संख्या में ग्रामीणों, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों और सरकारी अधिकारियों ने भीमरलाई के तालाब पर श्रमदान किया। सभी ने मिलकर जल स्त्रोत से गाद निकालने और उसके किनारों को साफ करने का कार्य किया, उसकी जल धारण क्षमता बढ़ाई जा सके। श्रमदान के पश्चात लोगों ने जल संरक्षण की शपथ ली, पानी की एक-एक बूंद बचाने, वर्षा जल का संग्रहण करने, जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पखवाड़े का ब्लॉक स्तरीय समापन समारोह ग्राम पंचायत भीमरलाई में हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज

जालोर, (कासं)। जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह 21 जून को प्रातः 6.30 बजे से प्रातः 8 बजे तक शाह पूंजाजी गेनाजी स्टेडियम जालोर व सिरे मंदिर तलहटी जालोर में "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" की थीम पर मनाने के लिए तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं।

आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक डॉ. दिनेश कुमार जोशी ने बताया कि 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में अवसर पर जिला आयुर्वेद चिकित्सालय की योग चिकित्सक एवं योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में प्रातः 6.30 बजे से प्रातः 8 बजे तक योगाभ्यास करवाया जायेगा। जिला मुख्यालय के अतिरिक्त भीनमाल में जाकोब तालाब, राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल, क्षेमंकरी माता मंदिर व नेहरू गार्डन, जसवंतपुरा में सुन्धा माता मंदिर व जसवंतपुरा मुख्यालय, सांचौर मुख्यालय पर राउमावि सांचौर सहित कई जगह योग होगा।

सोशल मीडिया एवं मोबाइल का सदुपयोग करें : जोगेश्वर गर्ग

जालोर, (कासं)। स्व. फूसाराम महाराज स्मृति सेवा प्रन्यास जालोर एवं परशुराम सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान व तखतगढ़ धाम पाली के युवाचार्य स्वामी अभयदास महाराज के पावन सान्निध्य में जालोर विधानसभा क्षेत्र के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड-2025 में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 233 विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह शुक्रवार को विजय पैराडाइज होटल जालोर में हुआ।

समारोह में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव, उत्कर्ष क्लासेस के निदेशक निर्मल गहलोत, परशुराम सेवा संस्थान जालोर के अध्यक्ष आर.डी.चौधरी, जालोर प्रधान नारायणसिंह राजपुरोहित व पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल उपस्थित रहे। समारोह में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि विद्यार्थी सोशल मीडिया एवं मोबाईल का अपनी शैक्षणिक उन्नति एवं विकास में सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

जालोर में फूसाराम महाराज स्मृति सेवा प्रन्यास की ओर से विधानसभा क्षेत्र की 233 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के आतिथ्य में हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

उन्होंने कहा कि सम्मानित होने वाली प्रतिभाएं अपना करियर निर्माण कर परिवार, समाज एवं जिले का गौरवान्वित करें। उन्होंने स्वयं एवं राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग किये जाने की बात कही।

मुख्य सचेतक ने कहा कि विधार्थी जीवन के मार्ग पर सफलता प्राप्त करने के लिए किताबी ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि विधार्थी जीवन में सकारात्मक लक्ष्य तय करते हुए जीवन में आगे बढ़े एवं वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए प्रतिस्पर्धाओं से डरे नहीं, बल्कि मेहनत करते हुए जालोर जिले का नाम रोशन करें एवं अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हुए जीवन में लक्ष्य को हासिल करें। युवाचार्य अभयदास महाराज ने कहा कि शिक्षा में किताबी ज्ञान के साथ संस्कारों का समावेश होने पर ही शिक्षा पूर्ण होती है। यह संस्कार परिवार, गुरूजन व समाज से मिलते हैं।

इस अवसर पर आगे उन्होंने कहा कि प्रतिभाएं सभी जगह विद्यमान है, उन्हे केवल प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

समारोह में उत्कर्ष क्लासेस के निदेशक निर्मल गहलोत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सदैव सकारात्मक सोच से कार्य करें तथा असफलता से निराश नहीं होवें। उन्होंने विद्यार्थियों को दसवीं उत्तीर्ण करने के पश्चात् अपनी रुचि के अनुसार विषयों का चुनाव करने के लिए प्रेरित किया।

जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा के माध्यम से जीवन को सार्थक बनाएं तथा असफलता से घबराएं नहीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी सोचने व समझने की क्षमता को विकसित करें तथा सोशल मीडिया के प्रभावों को समझते हुए उनका संयमित इस्तेमाल करें।

जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वे जीवन में अनुशासित रहते हुए दृढ़ संकल्प के साथ पढ़ाई करें तथा सतत् प्रयासों के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करें। कार्यक्रम संयोजक नाथू सोलंकी ने बताया कि समारोह में माध्यमिक व उच्च माध्यमिक की 233 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सचिव महेन्द्र गर्ग ने आभार जताया।

इस अवसर पर पुखराज विराणा, दीपसिंह धनानी, पूर्व प्रधान रामप्रकाश चौधरी, रवि सोलंकी, दिनेश परमार, गणपतसिंह राव, नैनमल लखावत, राहुल भण्डारी, श्यामसुन्दर सोलंकी, मालाराम सहित सम्मानित होने वाले विद्यार्थी व अभिभावक व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जन औषधि केंद्र का उद्घाटन

जोधपुर, (का.सं.)। एम्स जोधपुर में आज एक नए जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया गया।

संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. गोवर्धन दत्त पुरी ने केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया और प्रतीकात्मक रूप से वहाँ से दवाएँ भी खरीदीं। यह पहल मरीजों को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर एम्स जोधपुर के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्रगण उपस्थित रहे। एम्स जोधपुर, सस्ती, सुलभ और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

ओलम्पिक दिवस के कार्यक्रम होंगे

जालोर, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस के शुभारंभ पर 23 जून को रघुनाथ विश्नोई मेमोरियल कॉलेज रानीवाडा से प्रातः ओलम्पिक दौड को नरेंद्र कुमार विश्नोई चेयरमैन एवं पूर्व प्रधान द्वारा हरी झण्डी दिखाकर दौड प्रारम्भ करेंगे, उसी के साथ ही जिलेभर में खेलों से सबंधित विभिन्न गतिविधियों का आगज होगा।

जालोर जिला ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष प्रकाश बिश्नोई ने बताया कि इसी महाविद्यालय में ओलम्पिक मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक और शैक्षिक सत्र के दौरान युवाओं को विभिन्न विषयों के प्रोफेसरों द्वारा व्याख्यानों से लाभान्वित करवाया जाएगा।

जालोर जिला ओलम्पिक संघ के महासचिव लाल सिंह सांखला ने जानकारी उपलब्ध कर बताया कि 23 जून को जालोर में जूनियर बास्केटबॉल की प्रतियोगिता होगी तथा बास्केटबॉल संघ के लोगो का विमोचन करवाया जाएगा जालोर सांचोर स्थित जिमों में पावरलिफ्टिंग और वेटलिफ्टिंग के प्रदर्शन के बाद खिलाडियों के लिए फिटनेस और उनके कल्याणार्थ अभियान के अंतर्गत खेल प्रशासकों के साथ चर्चा होगी। फुटबॉल मैच का आयोजन करवाया जाएगा।

विश्नोई समाज ने रोष जताया

भीनमाल में विश्नोई समाज के लोग एक मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

भीनमाल, (निसं)।भीनमाल में शुक्रवार को विश्नोई समाज के लोगों ने एक मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

विश्नोई युवा जिलाअध्यक्ष एडवोकेट श्रवण ढाका ने बताया कि मामला डॉ. राकेश विश्नोई की आत्महत्या से जुड़ा है। समाज का आरोप है कि डॉ. राकेश विश्नोई को उनके विभागाध्यक्ष ने शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया। इस प्रताड़ना से परेशान होकर डॉ. विश्नोई ने सेल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। मृत्यु से पहले डॉ. राकेश ने अपने मृत्युकालीन बयान में विभागाध्यक्ष द्वारा की गई प्रताड़ना को आत्महत्या का कारण बताया। विश्नोई समाज ने मुख्यमंत्री से दोषी विभागाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। समाज की ओर से दी गई शिकायत में विभागाध्यक्ष को गिरफ्तार करने और उसे बर्खास्त या निलंबित करने की मांग की गई है। विश्नोई समाज ने डॉ. राकेश को न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

युवा संगठन जिला अध्यक्ष एडवोकेट श्रवण ढाका, ट्रस्ट सचिव शिवनारायण बिशनोई, शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष जयकरण खिलेरी, ओमप्रकाश तेतरवाल, रमेश सारण सांकड़, विक्रम ढाका, रामनिवास भादु, गणपत ढाका, भिखाराम साऊ, सोहन खिलेरी, कमलेश ढाका, नरेश खिचड़, दिनेश गोदारा, राजपाल माजु, ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

आत्म रक्षा, चरित्र निर्माण,संस्कार व योग शिविर आज

जालोर, (कासं)। आर्य वीर दल का 7 दिवसीय आत्म रक्षा, चरित्र निर्माण,संस्कार एवं योग शिविर का शुभारम्भ शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन 21 जून को सांय 5 बजे यज्ञ के साथ होगा।

शिविर संयोजक पूर्व पार्षद भरत कुमार भादरू ने बताया कि 22 जून से 28 जून तक लाल पोल के अंदर स्थित आर्य सुभाष व्यायामशाला मे होगा । जिसमे 14 वर्ष से अधिक के बालक - बालिका भाग लें रहे है। उन्होंने ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 8 और शाम 6 बजे से 8 बजे तक विभिन्न सत्रों में आयोजित होगा। ईश्वर उपासना, यज्ञ, बौद्धिक योगासन, कराटे ,लाङ्गी व तलवार की विधा का प्रशिक्षण दक्ष प्रशिक्षको द्वारा दिया जायेगा।सह संयोजक पूर्व पार्षद जगदीश आर्य ने बताया कि बौद्धिक वार्ताएं के माध्यम से युवाओं में राष्ट्र भक्त तैयार किये जाएंगे।आर्य ने बताया कि भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रतिदिन दूध और गुड़-चना प्रतिदिन दिया जाएगा।

इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका यानि देशों में टेस्ट सीरीज जीतना उनके लिए खिताब से बड़ा है। हर साल आता है, लेकिन इंग्लैंड जैसी जगह पर टेस्ट सीरीज खेलने का मौका करियर में 2-3 बार ही मिलता है।

- शुभमन गिल

भारतीय टेस्ट कप्तान, अपने खेल के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — सचिन तेंदुलकर

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा- मुझे खुशी है कि उनके (टाइगर पटौदी) के सम्मान में एक पदक देने का फैसला किया गया है। पटौदी ट्रॉफी के रिटायरमेंट पर विवाद हो गया था। ऐसे में तेंदुलकर ने पटौदी की विरासत को कायम रखने की पहल की। इस बार भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के विजेता को एक नई ट्रॉफी दी जाएगी, जो सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर होगी। यह दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के सम्मान में एक नई पहल है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अगस्त 2021 में हुआ था, अब इंग्लैंड ने एक पारी और 76 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव

विंडीज के खिलाफ टेस्ट से लाबुशेन बाहर

नई दिल्ली, 20 जून। बारबाडोस में 25 जून से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में दो बड़े बदलाव किए हैं। मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर किया गया है, जबकि स्टीव स्मिथ चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह सैम कोंस्टस और जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने का फैसला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद लिया है। लाबुशेन फाइनल में दोनों पारियों में 39 रन ही बना पाए थे लाबुशेन को फाइनल में ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन वह 17 और 22 रन ही बना सके। पिछले दो सालों से उनका फॉर्म खराब चल रहा है।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा,मार्नस अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में टीम के लिए अहम हो सकते हैं। हम उनके साथ उनकी कमजोरियों को सुधारने पर काम करेंगे। हमें उनकी क्षमता पर भरोसा है और उम्मीद है कि वह इस चुनौती का सकारात्मक जवाब देंगे। कोंस्टस को तीसरा टेस्ट खेलने का मौका कोंस्टस को तीसरा टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा, जिन्होंने भारत के खिलाफ मेलबर्न में डेब्यू पर 65 गेंदों में 60 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लिस ने इस साल गाले में श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में शतक जड़ा था।

स्मिथ फाइनल में चोटिल हो गए थे स्मिथ को लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे दिन टेम्बा बवुमा का कैच पकड़ने का प्रयास करने के दौरान दाहिने हाथ की छोटी उंगली में चोट लगी थी। सर्जरी से बचने के लिए उन्हें आठ सप्ताह तक स्प्लिंट पहनना होगा। हालांकि, उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज सीरीज के बाद के मैचों में वापसी कर सकते हैं। बेली ने कहा,स्टीव को घाव ठीक होने के लिए और समय चाहिए। हम एक हफ्ते बाद उनकी स्थिति की समीक्षा करेंगे।

बेली ने कोंस्टसऔर इंग्लिस को मौका देने पर उत्साह जताया। उन्होंने कहा, जोश ने श्रीलंका में अपने डेब्यू टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। वह विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं। प्लेइंग इलेवन और बल्लेबाजी क्रम की घोषणा टेस्ट के करीब होगी, लेकिन कोंस्टस के उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने की संभावना है। पिच की स्थिति के आधार पर ऑस्ट्रेलिया दो स्पिनरों - नाथन लियोन और मैट कुह्नमैन - को उतार सकता है।

गेंदबाजों ने दिलाई बांग्लादेश को 10 रनों की बढ़त

गॉले (श्रीलंका), 20 जून। नईम हसन (पांच विकेट) और हसन महमूद (तीन विकेट) ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन शुक्रवार को दूसरे सत्र में श्रीलंका की पहली पारी को 485 रन रोकने के बाद बंगलादेश ने 10 रनों की मामूली बढ़त ले ली है। श्रीलंका ने कल के चार विकेट पर 368 रनों के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। श्रीलंका का आज सुबह के सत्र में पांचवां विकेट कप्तान धनंजय डीसिल्वा (19) के रूप में गिरा। उन्हें नईम हसन महमूद ने विकेटकीपर लिटन कुमार दास के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बंगलादेश की गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंका के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। कुसल मेंडिस (पांच) को हसन महसमूद ने आउट किया। मिलन रत्नायके (39), थरिंडु रत्नायके (शून्य) और असिता फर्नांडो (चार) रन बनाकर आउट हुये।

सुद्रासन की नौ बेटियों ने रचा इतिहास

राजकीय बालिका फुटबॉल अकादमी कोटा के लिए सुद्रासन की 9 बालिका खिलाड़ियों का चयन

डीडवाना, 20 जून। । जिले के सुद्रासन गांव की नौ बेटियों ने एक साथ राज्य स्तरीय फुटबॉल अकादमी में चयनित होकर इतिहास रच दिया है। कोटा स्थित राजकीय बालिका फुटबॉल एकेडमी में इन होनहार बेटियों का चयन हुआ है। इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे हैं कोच शादाब उस्मानी, जिन्होंने अपनी मेहनत से एक छोटे गांव को राज्य स्तरीय पहचान दिलाई है।

सुद्रासन गांव प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। इस गांव में आज जश्न का माहौल है। वजह भी खास है - गांव की एक-दो नहीं, बल्कि नौ बेटियों ने राजकीय बालिका फुटबॉल एकेडमी कोटा में अपना स्थान पक्का किया है। इन बेटियों की इस उपलब्धि के पीछे डीडवाना के कोच शादाब उस्मानी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

शादाब ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण भाव से सुद्रासन गांव की बालिकाओं को ना केवल खेल के लिए प्रोत्साहित किया, बल्कि वे रोजाना 35 किलोमीटर का सफर तय कर गांव जाते ओर बेटियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते रहे। अब उनकी मेहनत रंग लाई है और बीते दिनों जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बालिका फुटबॉल चयन ट्रायल प्रक्रिया में सुद्रासन गांव की करीब दस बालिका खिलाड़ियों में से 9 खिलाड़ियों का राजकीय बालिका फुटबॉल एकेडमी कोटा के लिए चयन हुआ है। अब यह बेटियां राष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग के लिए कोटा जाएंगी।

बेटियों के चयन और उपलब्धि पर बलदेव राम मिर्धा स्टेडियम में स्वागत समारोह आयोजित किया, जिसमें मारवाड़ फुटबॉल एकेडमी के डायरेक्टर डॉक्टर सोहन चौधरी ने कोच शादाब उस्मानी के साथ ही चयनित सभी 9 बालिकाओं का भी स्वागत कर हौंसला अफजाई की। इस मौके पर डॉक्टर सोहन चौधरी ने कहा कि सुद्रासन गांव की बेटियों ने अपनी मेहनत के दम पर खेल की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है और डीडवाना सहित देशभर के लिए एक मिसाल बनी है। इसलिए जरूरत है ऐसे ही प्रयासों को प्रोत्साहन देने की, ताकि हर गांव से प्रतिभाएं उभरती रहे और देश का नाम रोशन करती रहे।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के शुभंकर 'विराज' का हुआ अनावरण

नई दिल्ली, 20 जून। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अभिनेत्री सांसद कंगना रनौत ने शुक्रवार को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के शुभंकर 'विराज' का अनावरण किया। आज यहां आयोजित एक समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की ब्रांड एंबेसडर कंगना रनौत ने 27 सितंबर से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शुरु होने वाले इस टूर्नामेंट के शुभंकर 'विराज' का अनावरण किया गया।

इस अवसर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन केवल भारत की खेल शक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि पैरा खिलाड़ियों के अदम्य साहस, जज़्बे और जुझारूपन का महोत्सव है। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेल जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। विशेषकर पैरा खिलाड़ियों को दी गई विश्वस्तरीय सुविधाओं और सम्मान ने भारत को पैरा गेम्स में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा लेने वाले सभी पैरा खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सभी खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। इस अवसर पर भारतीय पैरा ओलंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया, मुख्य संरक्षक वनाठी श्रीनिवासन और दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद और अनय गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सभी जिला संघ के क्रिकेट मैदान, क्रिकेट एकेडमी पर अनुभव योगा टीचर द्वारा योग दिवस आयोजित करे : बिहानी

जयपुर, 20 जून। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 11 वर्ष पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित करने की घोषणा के साथ हर वर्ष 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे भारत वर्ष में आयोजित किया जा रहा है। इसी तरह राज्य स्तरीय योग दिवस का आयोजन खुहडी सैंड हुन्स, जैसलमेर में किया जा रहा है जिसके मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा योग दिवस में शामिल होंगे। जयदीप बिहाणी, संयोजक तदर्थ समिति, आरसीए द्वारा समस्त जिला संघो से निवेदन किया है कि सभी जिला संघ के क्रिकेट मैदान, क्रिकेट एकेडमी पर कल प्रातकाल अनुभव योगा टीचर द्वारा योग दिवस आयोजित कर खिलाड़ियों को स्वास्थ्य के प्रति प्रोत्साहित करें।

गली क्रिकेट टीम बनी चैम्पियन

रतनगढ़, 20 जून। शहर के न्यू लिंक रोड पर चौधरी मुक्तिधाम के सामने स्तिथ केडी स्पोटर्स ग्राउंड पर चल रही रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का सम्मापन गुरुवार देर रात हुआ। आयोजक सुनील वर्मा ने बताया कि। एक सप्ताह तक चली प्रतियोगिता में कुल 16 टीमो ने भाग लिया। गुरूवार रात गली क्रिकेट टीम व आर स्टार के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें गली क्रिकेट टीम ने शानदार जीत दर्ज करते हुए ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। मैच समापन पर बीसीएमओ डॉ मनीष तिवाड़ी के मुख्य अतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें समाजसेवी राजेंद्र सिंह बिदावत, नर्सिंग ऑफिसर गौरीशंकर सैनी, अमित सैनी चूरू एंव गजेन्द्र सिंह शेखवात चूरू मंचस्थ थे। इस दौरान विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 11 हजार नगद, एंव उप विजेता टीम को ट्रोफी के साथ 5 हजार नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बीसीएमओ डॉ मनीष तिवाड़ी ने कहा कि खेल युवाओं के लिए अति आवश्यक है, खेल से युवा वर्ग फिट रहता है। और युवा वर्ग फिट रहेगा तभी देश ओर समाज आगे बढ़ेगा। विजेता व उप विजेता टीम को ट्रॉफी का वितरण संजीवनी हॉस्पिटल के आर्थिक सौजन्य से किया गया। सफल अयोजन के लिए आयोजक सुनील वर्मा,चंद्रप्रकाश सुईवाल,अनिल वर्मा व अशोक वर्मा ने सभी का आभार जताया। मैच का आंखों देखा हाल देवीसिंह पंवार व कान्हा ने संयुक्त रूप से किया।

के.एल. सैनी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 20 जून। अंडर-16 अरावली कप में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38 ओवर में 153 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। पुनीत यादव ने 34 और रौनक राकेश गुप्ता ने 31 रनों का योगदान दिया! के एल सैनीक्रिकेट अकादमी की ओर से गोरांश शर्मा ने चार और सतवीर जाट ने तीन विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी के एल सैनीक्रिकेट अकादमी ने 154 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। साइओम ने 29, धनुष ने 28 और दीनदयाल सैनी ने 24 रनों का योगदान दिया।राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी की ओर से अथर्व सिंह और शुभम गुर्जर ने दो-दो विकेट लिए। मैन ऑफ़ द मैच सतवीर जाट को चुना गया।

राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता कल से कोलीडा सीकर में

जयपुर, 20 जून। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान मेंराजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता 22 जून से 24 जून 2025 कोलीडा जिला सीकर में आयोजित की जा रही है। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता में 23 जिले ओर राजस्थान खेल परिषद की अकादमी जोधपुर की टीम भाग लेगी जिसमें लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेगे।

प्रतियोगिता के मैच कोलीडा ओर जेरथी के फुटबाल मैदानों में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में से चुने हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में भाग लेगे जो कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के द्वारा आयोजित की जाएगी। जिला फुटबाल संघ सीकर के सचिव सुरेन्द्र मील जी ने बताया कि प्रतियोगिता की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। राजस्थान के विभिन्न जिलों से पहुंचने वाले खिलाड़ियों का जिला फुटबाल संघ की तरफ से स्वागत है।

अध्यक्ष कर्नल मानवेन्द्र सिंह जसोल ओर महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टॉक ने बताया कि राजस्थान फुटबाल संघ के द्वारा गत वर्षो से सभी आयु वर्गो बालक व बालिका में प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जा रहा है जिससे अधिक से अधिक खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिले और राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिताओं में गत वर्ष की भाती अच्छे परिणाम मिले। प्रतियोगिता का ड्रा राजस्थान फुटबाल कार्यालय में सचिव दिलीप सिंह शेखावत, कृष्ण अवतार उपाध्यक्ष राजस्थान फुटबाल संघ जसवंत सिंहा अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी व अब्दुल जब्बार राष्ट्रीय खिलाड़ी की मौजूदगी में निकाला गया।

राजस्थान जूनियर स्टेट तैराकी 12 जुलाई से कोटा में

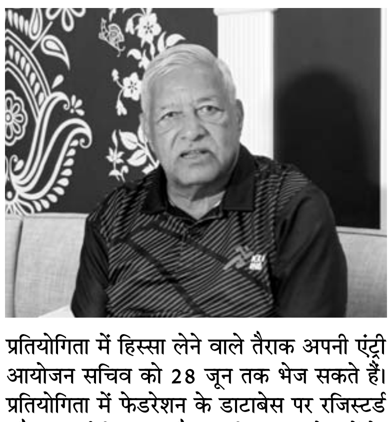

जयपुर, 20 जून। राजस्थान तैराकी संघ और कोटा जिला संघ की संयुक्त मेजबानी में राजस्थान जूनियर स्टेट तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 14 जुलाई तक कोटा के विजयराजे सिंधिया तरणताल पर किया जाएगा। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने आज यहां बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से तैराक हिस्सा लेंगे।

व्यास ने बताया कि स्वीमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के जूनियर स्तर पर किए बदलाव के बाद अब राज्य चैंपियनशिप में जूनियर ग्रुप-2 में जहां 13 और 14 वर्ष आयु के तैराक हिस्सा ले सकेंगे, वहीं जूनियर ग्रुप-1 में 15, 16 और 17 वर्ष के तैराक शामिल होंगे। व्यास ने बताया कि एक तैराक अधिकतम पांच स्पर्धाओं में अपनी एंट्री भेज सकता है।

जूनियर चैंपियनशिप के लिए कोटा के प्रमोद यादव को आयोजन सचिव नियुक्त किया गया है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले तैराक अपनी एंट्री आयोजन सचिव को 28 जून तक भेज सकते हैं। प्रतियोगिता में फेडरेशन के डाटाबेस पर रजिस्टर्ड और यूआईडी धारक तैराक ही हिस्सा ले सकेंगे। अनिल व्यास ने बताया कि फ्रीस्टाइल वर्ग में 50, 100, 200, 400, 800 और 1500 मीटर की स्पर्धाएं होंगी, जबकि बैक स्ट्रोक में 50, 100 और 200 मीटर, ब्रेस्टस्ट्रोक में 50, 100 और 200, बटरफ्लाई में 50, 100 और 200, व्यक्तिगत मेडले में 200 और 400 मीटर, फ्रीस्टाइल रिले में 4 गुणा 100 और 4 गुणा 200 मीटर तथा मेडले रिले में 4 गुणा 100 मीटर की स्पर्धा होगी। इस तरह 20 स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों के लिए मुकाबला होगा।

व्यास ने बताया कि स्टेट चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर ही 10 अगस्त से अहमदाबाद में होने वाली जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के लिए राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्टेट चैंपियनशिप में फेडरेशन द्वारा निर्धारित मापदंड को पूरा करने, नया कीर्तिमान स्थापित करने और अपनी स्पर्धा में व्यक्तिगत चैंपियन बनने वाले तैराक ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए पात्र होंगे।

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.
Office of The Municipal Board, Deoli (Tonk) Rajasthan
Tel.- (01434) 232013, E-mail : npdeoli@gmail.com

क्रमांक/न.पा.दे./विकास/ई निविदा/2025-26/2339 दिनांक : 17.06.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या (03/2025-26)

नगरपालिका देवली (टोंक) द्वारा नगर निकाय देवली एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्व ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन-लाईन निविदा दिनांक 18.06.2025 को प्रातः 9.00 बजे से 23.06.2025 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित निविदा प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जरिये RTGS/NEFT द्वारा HDFC Bank Account Number 25991450000134 IFSC Code HDFC0002599 में दिनांक 23.06.2025 को सायं 6.00 बजे तक जमा करवाकर Transction ID सहित बैंक स्टेटमेन्ट की प्रति ऑनलाईन अपलोड करनी होगी। तकनीकी बिड दिनांक 24.06.2025 को एवं वित्तीय बिड तकनीकी निविदा सफल होने के बाद खोली जावेगी। निविदा फार्म एवं ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्तें वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में उपलब्ध है। 01 कार्य की कुल लागत 24.95 लाख है।
NIB Code – DLB2526A2586
UBN No. - DLB2526WSLB08164

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका देवली
राज.संवाद/सी/25/4471

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/934-36 दिनांक : 17.06.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 16.06.2025 से दिनांक 26.06.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 27.06.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB code- DLB2526A2525
UBN :- DLB2526WSOB07970, DLB2526WSOB07974, DLB2526WSOB07981, DLB2526WSOB07983, DLB2526WSOB07992, DLB2526WSOB07993, DLB2526WSOB07994, DLB2526WSOB07995, DLB2526WSOB07996, DLB2526WSOB07997, DLB2526WSOB07998, DLB2526WSOB07999, DLB2526WSOB08000, DLB2526WSOB08001, DLB2526WSOB08002, DLB2526WSOB08003, DLB2526WSOB08004, DLB2526WSOB08006, DLB2526WSOB08007, DLB2526WSOB08008
राज.संवाद/सी/25/4512 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/343-357 दिनक :-18.06.2025

ई-निविदा सूचना संख्या :19/2025-26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों सेनिम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 132.38 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 23.06.2025 से दिनांक 30.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	132 केवी महावीर नगर जी.एस.एस. से नया बस स्टेण्ड सुभाष नगर तक 33 केवी केबल का रेस्ट्रोरेशन का कार्य।	7.43
2	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 71 तलवण्डी सेक्टर 02 व 03 में आर.सी.सी. नाला निर्माण एवं विभिन्न स्थानो पर विभिन्न प्रकृति के सिविल निर्माण/मरम्मत कार्य।	95.00
3	नगर निगम कोटा दक्षिण की सीमा क्षेत्र में आने वाले एस.एन. पारीक हॉस्पिटल से मोदी कॉलेज पुलिया होते हुये धोकड़े वाले हनुमान जी तक नाले की दिवारों पर प्लास्टर मरम्मत, रंगाई, पुताई एवं पैन्टिंग का कार्य।	29.95

NIB Code No.DLB2526A2623 UBN No.DLB2526WSOB08319
UBN No.DLB2526WSOB08320 UBN No.DLB2526WSOB08321
अधिशाषी अभियन्ता
राज.संवाद/सी/25/4616 नगर निगम कोटा दक्षिण

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND
S.No./M.B.Nath/Nit/Cont./25/ 7739 Date : 17-06-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 20 /2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders upto date 03-07-25 on18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.
UBN No. – 1. DLB2526WSOB08325, 2. DLB2526WSOB08326
Commissioner,
Raj.Samwad/C/25/4599 Municipal Board Nathdwara

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बांदीकुई (दौसा)
Email: bandikui.jaipur@gmail.com

क्रमांक :- न.पा.बा./2025/947 दिनांक :- 16.06.2025

BID सूचना

समस्त पंजीकृत संवेदक/सामाजिक संस्थाओ को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका बांदीकुई NIB Code. DLB2526A2575 तथा UBN No. DLB2526WSRC08145 कार्य करवाना चाहती है अतः इच्छुक व्यक्ति नियत दिनांक 25.06.2025 को सायः 06:00 बजे तक अपनी दर ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते है। निविदा आनलाईन बेबसाईट http://sppp..goverment.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविंदा से संबंधित शर्ते उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/4470 नगर पालिका बांदीकुई

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जो.वि.प्रा./परिचम/2025-26/राजकाज 15964873 दिनांक :- 18/06/2025

ई-बिड सूचना संख्या :- जोन परिचम/03/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यों हेतु मुहरबंद बिड आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.joda.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB Code : JOD2526A0051,
UBN No. : JOD2526WSOB00126 & JOD2526WSOB00127
राज.संवाद/सी/25/4652 अधिशाषी अभियंता (परिचम)

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/2754 दिनांक :- 17/06/2025

ई - बिड सूचना संख्या 14-III-2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से Council of Architecture (COA) में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत फर्म से Consultancy कार्य हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।
(UBN No. :- ITB2526WSOB00080)
राज.संवाद/सी/25/4650 अधिशाषी अभियन्ता

Rajasthan State Pollution Control Board
Headquarter, 4, Institutional Area, Jhalana Doongri, Jaipur-302004
Phone 0141-27168049, 2716800, E-mail : member-secretary@rpcb.nic.in

F.12(Project-38)/RSPCB/ Date :

Inviting Applications for engagement of Young Interns purely on contract basis at Rajasthan State Pollution Control Board

Rajasthan State Pollution Control Board invites applications for Young Interns at RSPCB purely on contract basis for a period of one year, which is extendable up to a maximum period of one year based on satisfactory performance. Further details are available at RSPCB website:
https://environment.rajasthan.gov.in/content/environment/en/rajasthan-state-pollution-control-board.html#
Application addressed to the MS, RSPCB with application form, CV having details of address, mobile and email for correspondence with relevant supporting documents, experience certificates, etc., shall be submitted to the Member Secretary, Rajasthan State pollution Control board, 4 Institutional Area, Jhalana Doongri, Jaipur by 25.06.2025 physically or by email at interns2025rspcb@gmail.com.
Raj.Samwad/C/25/4639 Member Secretary

कार्यालय नगरपालिका दूनी (टोंक) राज.
Office of the Municipal Board, Dooni (Tonk) Rajasthan

क्रमांक : न.पा.दू./ई-निविदा/2025-26/721 दिनांक : 16.06.2025

-: निविदा सूचना संख्या (02/2025-26) :-

नगरपालिका दूनी (टोंक) द्वारा नगर निकाय दूनी एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्व ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा दिनांक 18.06.2025 से 30.06.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक दरें आमंत्रित की जाती है। तकनीकी बिड दिनांक 30.06.2025 को सायं 04.00 बजे एवं वित्तिय बिड तकनीकी निविदा सफल होने के बाद खोली जावेगी। निविदा फार्म एवं निविदा से ई-निविदा सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में कार्यालय में उपलब्ध है। 01 कार्य की कुल लागत 40.00 लाख है।
NIB Code – DLB2526A2592
UBN No. – DLB2526SLRC08183
प्रशासक (RAS) नगरपालिका दूनी (टोंक) अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका दूनी (टोंक)
राज.संवाद/सी/25/4466

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः रजि. ऑफिस.- विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website : http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl, कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)
नयापुरा पॉवर हाऊस, खाई रोड, कोटा- 324001, दूरभाष नं. 0744- 2320881, 2450066, ईमेल :- zcekz@jvvnl.org

ई - निविदा सूचना

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु दो भागों में ई-निविदा (तकनीकी-वाणिज्यिक) एआरसी 2023 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। झालावाड़ वृत में सहायक अभियन्ता (पवस), बकानी के अन्तर्गत 33/11 केवी बकानी-।। सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-17/2025-26) (UBN:VVN2526WSOB00111), सहायक अभियन्ता (पवस), सुनेल के अन्तर्गत 33/11 केवी ओसाव सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-18/2025-26) (UBN:VVN2526WSOB00112), सहायक अभियन्ता (पवस), डग के अन्तर्गत 33/11 केवी धतूरीया सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-19/2025-26) (UBN:VVN2526WSOB00113), बारां वृत में सहायक अभियन्ता (पवस), शाहबाद के अन्तर्गत 33/11 केवी संदोकड़ा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-20/2025-26) (UBN:VVN2526WSOB00114), सहायक अभियन्ता (पवस), मांगरोल के अन्तर्गत परवन परियोजन सिंगोना प्रोजेक्ट के नवीन कनेक्शन हेतु 3.60 किमी 3 फेज़ 11 केवी लाईन, सबस्टेशन व 33/11 केवी ईश्वरपुरा में 11 केवी बे एक्सटेंशन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-21/2025-26) (UBN:VVN2526WSOB00115), बूंदी वृत में सहायक अभियन्ता (पवस), तालेड़ा के अन्तर्गत 33/11 केवी गुवार सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-22/2025-26) (UBN:VVN2526WSOB00116). योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 20.06.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 30.06.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/4625 जेपीआर - 3010 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

जनजाति क्षेत्र में बिजली कनैक्शन समय पर जारी करें : मुख्यमंत्री

अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद में मुख्यमंत्री भजनलाल ने सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर जोर दिया

जयपुर, 20 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं ट्राइबल सब प्लान एरिया (टी.एस.पी. क्षेत्र) के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की ओर से आयोजित राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर 15 से 30 जून तक चलाए जा रहे धरती आबा जन-भागीदारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए इसे सफल बनाएं। उन्होंने वनाधिकार अधिनियम-2006 के तहत लंबित व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावों का शीघ्र निस्तारण कर अधिकारपत्र जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की ओर से आयोजित राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक को संबोधित किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर 15 से 30 जून तक चलाये जा रहे, "धरती आबा जन भागीदारी अभियान" में जन प्रतिनिधियों को सक्रिय भागीदार निभाने को कहा।**

मुख्यमंत्री ने जलसंसाधन विभाग की परियोजनाओं तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की गतिविधियों में प्रगति लाने के निर्देश दिए, और जनजाति क्षेत्र में बिजली कनेक्शन समय पर जारी करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने टीएसपी क्षेत्र में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रोगियों की पहचान और उपचार सहायता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, विधायक समाराम, फूल सिंह मीणा, प्रताप लाल भील, श्रीमती शान्ता अमृत लाल मीणा, गोपीचंद मीणा, ललित मीणा, महेन्द्र पाल मीणा, हंसराज मीणा, राजेन्द्र मीणा, रामबिलास, शंकर लाल डेचा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

'महाप्रभु की धरती पर आना था इसलिए नहीं गया अमेरिका'

भुवनेश्वर, 20 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका आने का राष्ट्रपति ट्रंप का निमंत्रण इस कारण स्वीकार नहीं किया क्योंकि उन्हें महाप्रभु की धरती ओडिशा आना था।

मोदी ने ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर यहां आयोजित कार्यक्रम में कहा कि दो दिन पहले वह कनाडा में जी7 देशों की शिखर बैठक में भाग लेने गये थे और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें फोन कर अमेरिका आने का न्योता दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ट्रंप ने मुझ से कहा कि आप कनाडा तो आए ही हैं, तो वॉशिंगटन होकर के जाइए, साथ में खाना खाएंगे, बातें करेंगे। उन्होंने बड़े आग्रह से निमंत्रण दिया। मैंने अमेरिका के राष्ट्रपति को कहा कि आपका निमंत्रण के लिए धन्यवाद, मुझे तो महाप्रभु की धरती पर जाना बहुत जरूरी है। और इसलिए मैंने उनके निमंत्रण को नम्रतापूर्वक मना किया और आपका प्यार, महाप्रभु की भक्ति मुझे इस धरती पर खींच करके ले आई है।

'अंग्रेजी जंजीर नहीं जंजीर तोड़ने का जरिया है, यह शर्म नहीं शक्ति है'

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमित शाह के, अंग्रेजी भाषा के खिलाफ दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा

नई दिल्ली, 20 जून। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अंग्रेजी बोलने वाले बयान पर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नहीं चाहते कि गरीब के बच्चे अंग्रेजी सीखे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं - जंजीरें तोड़ने का औजार है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, भाजपा-आरएसएस वाले नहीं चाहते हैं कि गरीब के बच्चे पढ़ -लिखकर सवाल पूछें, आगे बढ़ें और बराबरी करें। आज के समय में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी आपकी मातृ भाषा - क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी।

- **राहुल ने कहा अगर आप अंग्रेजी सीख जाते हैं तो कहीं भी घुस सकते हैं। आपके लिए बड़ी नौकरियों के दरवाजे खुल सकते हैं।**
- **राहुल ने कहा, भाजपा व आरएसएस वाले नहीं चाहते कि गरीब के बच्चे अंग्रेजी सीखें।**

राहुल ने कहा कि भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है - और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का मौका दे।

राहुल ने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें वह बता रहे हैं कि अंग्रेजी एक हथियार है। आप अगर अंग्रेजी सीख जाते हैं तो कहीं भी घुस सकते हैं। आप अमेरिका, जापान और कहीं भी जा सकते हैं। आप कहीं भी काम कर सकते हैं। अंग्रेजी के खिलाफ जो लोग हैं वो नहीं चाहते हैं कि आपको करोड़ों रुपये की नौकरी मिले। वो चाहते हैं कि दरवाजा आपके लिए बंद रहे।

बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि जल्द ही भारत में ऐसा समय आएगा जब अंग्रेजी बोलने वाले खुद को शर्मिंदा महसूस करेंगे। ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। किसी विदेशी भाषा में आप अपनी संस्कृति, धर्म और इतिहास को नहीं समझ सकते हैं। गृहमंत्री ने यह बात आशुतोष अग्निहोत्री की किताब के विमोचन के मौके पर कही थी।

एयर इंडिया ने चार इंटरनैशन फ्लाइट्स सहित आठ फ्लाइट्स कैंसल कीं

नई दिल्ली, 20 जून। एअर इंडिया ने एक बार फिर अपनी कई उड़ान सेवाएं रद्द कर दी हैं। एयरलाइन की ओर से अब तक चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित आठ फ्लाइट्स को रद्द करने की सूचना दी गई है।

एयरलाइन ने बताया कि शुक्रवार को रखरखाव और परिचालन संबंधी कारणों से एअर इंडिया ने चार अंतरराष्ट्रीय सेवाओं सहित आठ उड़ानें रद्द कर दी हैं। यात्रियों के लिए जल्द से जल्द अपने गंतव्यों तक उड़ान भरने के लिए ग्राउंड पर उसकी टीमें वैकल्पिक व्यवस्था कर रही हैं।

एयरलाइन ने कहा कि उसने यात्रियों से, टिकट रद्द करने पर पूरे पैसों की वापसी या यात्रा को फिर से निर्धारित करने की पेशकश की है।

एयरलाइन ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति अपनी वेबसाइट पर देखें या अपडेट के लिए ग्राहक सेवा नंबर पर कॉल करें। बयान में आगे कहा गया, "विमानों पर बढ़ी जांच, हवाई क्षेत्र प्रतिबंध और खराब मौसम के कारण हम कुछ व्यवधानों से जूझ रहे हैं, जिसके बारे में यात्रियों को उचित रूप से सूचित किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी उड़ानों की स्थिति यहां हमारी वेबसाइट पर देखें।"

इससे पहले एअर इंडिया ने गुरुवार को कहा था कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच 16 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें कम की जाएंगी और तीन विदेशी गंतव्यों पर उड़ानें निलंबित रहेंगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहा था कि इसका उद्देश्य यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करना है। दरअसल, अहमदाबाद हादसे के बाद एयरलाइन ने अपने विमानों की जांच बढ़ा दी है और एहतियातन कई कदम उठा रही है।

'आरक्षण की 50 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शामिल करने का आव्हान किया

उन्होंने कहा, यह काम 1994 में नरसिम्हा राव सरकार द्वारा तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण की रक्षा के लिए किया गया था।

उन्होंने संविधान में संशोधन करने की भी मांग की ताकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी के लिए आरक्षण की 50 सीमा को पार किया जा सके।

रमेश ने कहा कि यह सीमा पिछले छह दशकों में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों के कारण ही लागू हुई है।

उन्होंने कहा, अनुच्छेद 15(5) निजी शैक्षिणक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति देता है। यह पिछले 11 वर्षों से लागू नहीं हो पाया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 2006 में डॉ. मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाए गए इस संवैधानिक संशोधन को मान्यता दी था।"

रमेश ने कहा कि कांग्रेस निश्चित रूप से 21 जुलाई 2025 से शुरू हो रहे मानसून सत्र में सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण से जुड़े इन तीनों महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाएगी।

विमान हादसा: 223 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी मृत्यु के पश्चात उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इस प्रकार सिविल अस्पताल से कुल 204 शव सौंपे जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि जिन 223 मृतकों के डीएनए मैच पाए गए हैं, उनमें 168 भारतीय नागरिक, सात पुर्तगाली, 36 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई और 11 गैर-यात्री यानी स्थानीय लोग शामिल हैं। इनमें 15 शव हवाई मार्ग से तथा 189 शव सड़क मार्ग से उनके आवासों तक पहुंचाए गए।

पासपोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पासपोर्ट तय समय में जारी करें। याचिकाकर्ता की शादी 2023 में हुई थी, लेकिन पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया था। तलाक का केस चल रहा है। रेवती ने इस साल अप्रैल में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) में पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। जब उसका आवेदन आगे नहीं बढ़ा तो उसने जानकारी ली, जिसके बाद उसे बताया गया कि उसे फॉर्म-जे में पति के हस्ताक्षर लेने होंगे, तभी पासपोर्ट आवेदन पर आगे कार्रवाई की जाएगी। आरपीओ ने यह भी कहा कि चूंकि पति-पत्नी के बीच कोर्ट में विवाद चल रहा है, इसलिए यह हस्ताक्षर जरूरी हैं।

रेवती ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की। जज ने अपने फैसले में कहा कि कोर्ट के विचार में यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया पासपोर्ट आवेदन की स्वतंत्र रूप से प्रक्रिया की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी पत्नी को पासपोर्ट के लिए आवेदन करने से पहले पति की अनुमति या उसके हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। जज ने कहा कि आरपीओ की यह मांग यह दिखाती है कि हमारे समाज में विवाहित महिलाओं को अब भी पति की संपत्ति की तरह देखा जाता है। यह चौंकाने वाली बात है कि पासपोर्ट ऑफिस पति की अनुमति और एक विशेष फॉर्म में उसके हस्ताक्षर पर ही पासपोर्ट की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा था। उन्होंने कहा कि जब पति-पत्नी के बीच रिश्ते पहले से ही बिगड़े हुए हैं, तब आरपीओ की ओर से पति के हस्ताक्षर की मांग करना याचिकाकर्ता से असंभव चीज की उम्मीद करने जैसा है।

राहुल गांधी, अब देश का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें शुभकामनाएं दीं और गुलदस्ते भेंट किए।

मुख्यधारा के समाचारपत्रों में उनके जन्मदिन पर पूरे पन्ने के विज्ञापन प्रकाशित किए गए, जो आमतौर पर प्रधानमंत्री के लिए आरक्षित रहते हैं।

राहुल गांधी लंबे समय से बेरोजगारी की समस्या और इस दिशा में नरेंद्र मोदी सरकार की निष्क्रियता की बात कर रहे हैं। इसी मुद्दे पर एक रोज़गार मेला आयोजित किया गया, जिसमें कई कंपनियों को आमंत्रित किया गया और 3000 से अधिक युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र दिए गए।

संदेश साफ़ था, यदि विपक्ष के नेता पद पर रहते हुए वह इतना कुछ कर सकते हैं, तो यह समझा जा सकता है कि देश के प्रधानमंत्री के रूप में वह युवाओं और बेरोजगारों के लिए कितना ज्यादा कर सकते हैं।

राहुल गांधी जातीय जनगणना के अपने एजेंडे को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं, जिसे अब सरकार ने भी स्वीकार कर लिया है, और यह उनके नेतृत्व के लिए एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी ने एक समिति गठित की है, जिसमें मुख्य रूप से ओबीसी और दलित नेता शामिल हैं। इस समिति के अध्यक्ष कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हैं, जो इस एजेंडे को और आगे बढ़ाएंगे।

दिलचस्प बात यह है कि सचिन पायलट और अशोक गहलोत दोनों ही इस समिति के सदस्य हैं।

कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी का यह आकलन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आधार खिसक रहा है। भाजपा और संघ परिवार के भीतर गंभीर समस्याएं हैं। अमेरिका और डॉनल्ड ट्रंप अब नरेंद्र मोदी के समर्थक नहीं रहे।

इसके अलावा, बिहार को एनडीए से वापस जीतने की पूरी संभावना है, और इसका मुख्य कारण नीतीश कुमार को माना जा रहा है, जो एक कमज़ोर कड़ी बन गए हैं। सूत्रों का यह तक कहना है कि राहुल गांधी अब प्रधानमंत्री बनने की जल्दबाज़ी में हैं और उन्हें विश्वास है कि उनका पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक आधारित एजेंडा आने वाले समय में उन्हें बड़ा राजनीतिक लाभ दिलाएगा। यह राहुल गांधी 2004 के राहुल गांधी से एकदम अलग हैं, जो उस समय राजनीति की असल दुनिया और उसके तंत्र से पूरी तरह कटे हुए लगते थे।

राजनीति को स्वीकार करना उनके लिए एक लंबी प्रक्रिया रही है, लेकिन अब ऐसा लगता है कि वह परिवार की विरासत को आगे ले जाना चाहते हैं, जिसका इंतज़ार उनकी मां सोनिया गांधी लंबे समय से कर रही थीं।

विशाखापट्टनम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से ज़्यादा लोगों के भाग लेने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश सरकार इस अवसर को यादगार बनाने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के प्रयास का भी समन्वय कर रही है। इसके अतिरिक्त, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत प्रतिभागियों को 50 लाख से ज़्यादा योग प्रमाणपत्र दिए जाएँगे, जिससे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह संस्करण देश की स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा।

इज़रायल खुशी मना रहा है, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एयर डिफैंस सिस्टम नष्ट कर दिया है जो कि अब तक ईरान के फोर्दो और नतांज जैसे परमाणु केन्द्रों को बचाए हुए था। इज़रायल की सफलता ने इन ठिकानों को असुरक्षित कर दिया है। पर इज़रायल की यह सफलता ईरान को अपनी रणनीति बदलने को बाध्य कर सकती है और वह अब पारम्परिक प्रतिरोध के बजाय अंधाधुंध प्रतिशोध की नीति अपना सकता है।

यह बदलाव पहले से ही दिखने लगा है। लेबनान में हिज़बुल्लाह ने सीमा पार हमले तेज कर दिए हैं, यमन में हूथियों ने सऊदी और इज़रायली ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, और यूएई में तेल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर साइबर हमलों की रिपोर्ट सामने आई है, जिनके पीछे ईरान का हाथ माना जा रहा है।

ईरान समर्थित तथाकथित 'प्रतिरोध धुरी' (एक्सिस ऑफ रैज़िस्टैंस) सक्रिय हो रही है, बहुत बड़े-बड़े हमलों से नहीं बल्कि छोटे-छोटे हमलों से, जो धीरे-धीरे नुकसान पहुँचाएं और डर पैदा करें।

इस बीच, खाड़ी देशों की राजशाहियों को एक नाज़ुक भू-राजनीतिक संतुलन साधना पड़ रहा है। सऊदी अरब और यूएई, भले ही ईरान को नियंत्रित करने के इज़रायली रणनीतिक लक्ष्य से सहमत हों, लेकिन वे खुद को पूर्ण युद्ध में झोंकने से बचना चाहते हैं।

2019 में अरामको रिफाइनरी पर हुए हमलों की यादें अभी भी ताज़ा हैं, और दोनों देशों ने चुपचाप इज़रायल और अमेरिका से संयम बरतने का आग्रह किया है, हालाँकि वे चुपचाप अपनी जमीन को पश्चिमी अभियानों के लिए लॉजिस्टिक आधार के रुप में इस्तेमाल होने दे रहे हैं।

इस पूरी स्थिति को वैश्विक शक्तियों की संभावित भागीदारी और जटिल बना रही है। यदि अमेरिका ईरान के, गहराई में स्थित परमाणु स्थलों पर सीधा हमला करता है, तो रूस या चीन की प्रतिक्रिया सामने आ सकती है, शायद सैन्य नहीं, लेकिन हथियारों की आपूर्ति, संयुक्त राष्ट्र में कूटनीतिक विरोध, या दक्षिण चीन सागर जैसे इलाकों में गतिविधियों के जरिए।

इस तरह, इज़रायल की सामरिक (टैक्टिकल) जीत, रणनीतिक (स्ट्रैटेजिक) रूप से भारी पड़ सकती है। फिलहाल ईरान की पारंपरिक सैन्य शक्ति को सीमित कर दिया गया है, लेकिन क्षेत्र को अस्थिर करने की उसकी क्षमता अब भी बरकरार है। यह इलाका एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है, जहाँ असुरक्षा, आर्थिक कमज़ोरी और भू-राजनीतिक पुनर्गठन की आशंका है।

अगर इज़रायल और उसके सहयोगियों का लक्ष्य ईरान के परमाणु खतरे को समाप्त करना है, तो उन्हें यह समझना होगा कि ईरान को सैन्य रूप से कमज़ोर करना तो आसान काम था। असली चुनौती अब उस क्षेत्रीय तूफ़ान को संभालने की है जो इस कार्रवाई के बाद उठ सकता है, एक ऐसा संकट जिसे दुनिया की तेल-निर्भर अर्थव्यवस्थाएँ बिल्कुल भी झेल नहीं सकतीं।

ईडी ने वरिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायाधीश को पत्र लिखा, जिसमें ईडी की कार्रवाई की निंदा की गई और वेणुगोपाल को समन जारी करने के मामले में सीजेआई से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया गया। पत्र में कहा गया कि ईडी की इस कार्रवाई का "कानूनी पेशे की स्वतंत्रता" और "वकील-क्लाइंट गोपनीयता के मौलिक सिद्धांत" पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। पत्र में निम्नलिखित अनुरोध किए गए।

पहला, कानूनी पेशेवरों द्वारा अच्छी भावना से दी गई सलाह के लिए उन्हें दिए गए सम्मन की वैधता व औचित्य की जांच की जाए।

दूसरा, वकील-क्लाइंट गोपनीयता के और अधिक क्षरण को रोकने तथा बार की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए उचित दिशा-निर्देश निर्धारित करना। तत्पश्चात, ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर (मुंबई) ने तत्काल प्रभाव से उक्त समन को वापस ले लिया, जिसके अनुसार वेणुगोपाल को 24 जून को एजेंसी के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया था।

क्या वियतनाम, अफगानिस्तान, क्यूबा और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन इसने लंदन और वॉशिंगटन में खलबली मचा दी।

ब्रिटेन, जो अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध था, ने शाह के साथ मिलकर, मोसद्देग को संसदीय माध्यमों से हटाने की कोशिश की, लेकिन विफल रहा। इसके बाद उन्होंने गुप्त तरीकों की ओर रुख किया।

- **पश्चिमी देशों ने बाद में दो बार, पश्चिमी देशों की समर्थक सरकारें बनाने का प्रयास किया था ईरान में, पर, दोनों बार मुँह की खायी थी।**
- **क्या इन असफल प्रयासों से सबक लेकर अमेरिका दोबारा ईरान में अपनी पिठ्ठु सरकार बैठाने का प्रयास करने से पहले गंभीरता से सोचेगा।**

"एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका" के अनुसार, मोसद्देग की साम्यवाद विरोधी विचारधारा के बावजूद, ब्रिटिश खुफिया एजेंसी ने अमेरिका को यह विश्वास दिलाया कि वे सोवियत प्रभाव के प्रति संवेदनशील हैं। तथा इसलिए अमेरिका को इसमें दखल देना चाहिए।

सीआईए ने ब्रिटिश सीक्रेट इंटेलिजेन्स सर्विस, जिसे एम आई 6 के नाम से जाना जाता था, के साथ मिलकर मोसद्देग को हटाने के लिए एक गुप्त अभियान शुरू किया।

सीआईए ने इसे "टी पी ए जे ए एक्स" नाम दिया और एमआई6 ने इसे "ऑपरेशन बूट" कहा।

इस तख्तापलट की तैयारी के दौरान, सीआईए और एमआई6 ने मोसद्देग विरोधी माहौल तैयार किया। उन्होंने दुष्प्रचार अभियान चलाया, प्रमुख राजनीतिक और धार्मिक नेताओं को डराया-धमकाया और जनता में अशांति फैलाई।

"द गार्जियन" की रिपोर्ट के अनुसार, 2013 में सार्वजनिक किए गए सीआईए दस्तावेज़ों में इस तख्तापलट का एक अंदरूनी मसौदा इतिहास भी है, जिसका शीर्षक है: "ईरान में एक पश्चिम समर्थक सरकार को स्थापित करने का अभियान"। इसका उद्देश्य था: "कानूनी या गैर-कानूनी तरीकों से मोसद्देग सरकार को हटाना और उसकी जगह शाह के नेतृत्व में पश्चिम समर्थक बनाकर, जनरल ज़ाहेदी को प्रधानमंत्री बनाना।"

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 1953 में तेहरान में शाह समर्थक प्रदर्शनकारियों जिसे सेना का समर्थन प्राप्त था तथा अमेरिका और ब्रिटेन से वित्तपोषित थे-के बीच झड़पें हुईं, जिनमें लगभग 300 लोग मारे गए।

यह तख्तापलट सफल रहा। मोसद्देग को गिरफ्तार कर लिया गया, उन्हें तीन साल जेल में और फिर जीवनभर नजरबंद रखा गया। जनरल फज़ल्लाह ज़ाहेदी को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

सीआईए ने ज़ाहेदी को सत्ता संभालने के दो दिन के भीतर 50 लाख डॉलर की गुप्त मदद भी दी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908